सुविचार

किसी का सरल स्वभाव उसकी कमजोरी नहीं होती, बल्कि उसके माता-पिता के द्वारा दिए हुए संस्कार होते हैं।

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 04 June 2023 ● Year : 01 ● Issue : 138 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

1600 रुपये का तौलिया खरीदने पर मां को...

SHARE

सेंसेक्स	:	62,547.11
निफ्टी	:	18,534.10

SARAFA

सोना	:	5,665
चांदी	:	77.08

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

गुजरात: ढाई साल की बच्ची बोरवेल में गिरी

AHMEDABAD : जामनगर तहसील के तमाचण गांव में शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे ढाई साल की बच्ची 250 फीट गहरे बोरवेल में गिर गई। बोरवेल में 20 फीट की गहराई में उसके फंसे होने की जानकारी के बाद बचाव कार्य शुरू किया गया। मौके पर फायर ब्रिगेड की दो रेस्क्यू टीम समेत एनडीआरएफ की टीम भी बच्ची को सुरक्षित निकालने का प्रयास कर रही है। तमाचण गांव के खेती वाले क्षेत्र में कुछ श्रमिक परिवार काम में जुटे थे। इसी दौरान वहां कुछ बच्चे खेल रहे थे। अचानक ढाई साल की एक बच्ची खुले बोरवेल में गिर गई। श्रमिकों समेत आसपास के लोगों ने इसकी सूचना दमकल और प्रशासन को दी। इसके बाद यहां बच्ची को निकालने का कार्य शुरू किया गया। दमकल टीम के अनुसार बोरवेल से 5 फीट की दूरी पर गहरा गड्ढा तैयार किया जा रहा है। वहीं, बोरवेल में बच्ची को ऑक्सीजन आदि देने की व्यवस्था की गई है। कैमरे की मदद से बच्ची की स्थिति का पता लगाया गया है जिसमें उसके हाथ दिख रहे हैं। मौके पर एनडीआरएफ, आर्मी टीम, 108 आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा, पुलिस, प्रशासन की टीम मौके पर कार्यरत थी।

चाईबासा में यौन शोषण के दोषी को 21 साल कारावास की सजा

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले के जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम ने शनिवार को नाबालिग के साथ यौन शोषण मामले में दोषी सूरज नायक को 21 साल कठोर कारावास की सजा सुनायी। साथ ही 10 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। यह मामला टोन्टो थाना कांड संख्या 4/2021 से जुड़ा है। नाबालिग को बहला-फुसलाकर यौन शोषण करने का आरोप सूरज नायक पर लगा था। इस संबंध में नाबालिग के परिजनों ने थाने में 21 जनवरी, 2021 को प्राथमिकी दर्ज करायी थी। अनुसंधान के क्रम में सूरज पर पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इसके बाद सभी साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से संग्रह कर न्यायालय में आरोप पत्र समर्पित किया था।

कोडरमा में रेलवे ओवरब्रिज पर बड़ा हादसा, 30 फीट नीचे गिरी कार

KODARMA : झुमरीतिलैया में रांची पटना रोड स्थित तिलैया ओवरब्रिज पर शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। गनीमत यह रही कि इस हादसे में लोगों की जान बच गई। घटना में एक कार ओवरब्रिज से 30 फीट नीचे आ गिरी और कार सवार दो लोग घायल हो गए। बताया जाता है कि सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी जमुना प्रसाद तिलैया कार से रेलवे ओवरब्रिज पार रहे थे। इसी दौरान ब्रिज पर एक बड़े वाहन ने उनकी कार को चकमा दे दिया। जमुना प्रसाद कार सहित ब्रिज के नीचे गिर गिर गए। इधर ब्रिज से गुजर रहे लोगों ने तुरंत इसकी सूचना तिलैया पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आनन फानन में कार चला रहे जमुना प्रसाद और उनकी पत्नी को घायल अवस्था में पास के निजी क्लीनिक में भर्ती कराया।

ODISHA TRAIN ACCIDENT

अबतक 288 की मौत, 900 से ज्यादा घायल

तीन ट्रेनें टकराई, सिग्नल फेल बताया जा रहा हादसे का कारण

AGENCY BHUBANESWAR : ओडिशा के बालासोर में शुक्रवार शाम हुए रेल हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 288 हो गई है। 900 से ज्यादा लोग घायल हैं। हालांकि मौत और घायलों का आकड़ा बढं सकता है। हादसा बालासोर के बहानगा बाजार स्टेशन के पास शुक्रवार शाम करीब 7 बजे हुआ। जानकारी के मुताबिक रेलवे के हवाले से जानकारी दी है कि गाड़ियों के बीच टक्कर रोकने वाला कवच सिस्टम इस रूट पर मौजूद नहीं था। हादसे के 23 घंटे बाद यानी शनिवार शाम 6 बजे तक रेल मंत्री या रेलवे मिनिस्ट्री ने हादसे की वजहों पर कुछ नहीं कहा। मंत्री से लेकर अफसर तक जांच कराने की बात दोहराते रहे। सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि सिग्नल फेल होना भी हादसे की वजह हो सकता है। हादसे के एक घंटे बाद शाम को करीब 8 बजे बालासोर में एक ट्रेन के पटरी से उतरने की खबर आई। इसके बाद दूसरी ट्रेन डिरेल होने की बात पता चली। रात करीब 10 बजे साफ हुआ कि दो यात्री गाड़ियां और एक मालगाड़ी टकराई हैं। शुरूआत में 30 लोगों के मारे जाने की जानकारी थी, लेकिन देर रात यह आंकड़ा 200 के पार पहुंच गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि बहानगा बाजार स्टेशन की आउटर लाइन पर एक मालगाड़ी खड़ी थी। हावड़ा से चेन्नई जा रही कोरोमंडल एक्सप्रेस यहां डिरेल होकर मालगाड़ी से टकरा गई। एक्सप्रेस का इंजन मालगाड़ी पर चढ़ गया और बोगियां तीसरे ट्रैक पर जा गिरीं। कुछ देर बाद तीसरे ट्रैक पर आ रही हावड़ा-बेंगलुरु दुरंतो ने कोरोमंडल एक्सप्रेस की बोगियों को टक्कर मार दी।

“विपरीत परिस्थितियों में हमारे देश के लोगों द्वारा दिखाया गया साहस और करुणा वास्तव में प्रेरणादायक है। जैसे ही ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना हुई, लोग बचाव कार्यों में मदद करने में जुट गए। कई लोग रक्तदान करने के लिए कतार में खड़े हैं।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री।

“ओडिशा के बालासोर जिले में बहानागा रेलवे स्टेशन के समीप कोरोमंडल एक्सप्रेस ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने की हृदयविदारक घटना से मन आहत है। परमात्मा दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे। दुर्घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री झारखंड।

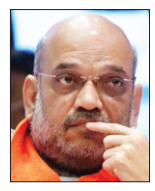

“ओडिशा के बालासोर में रेल हादसा बेहद पीड़ादायक है। एनडीआरएफ की टीम पहले ही दुर्घटनास्थल पर पहुंच चुकी है, और अन्य टीमें भी बचाव अभियान में शामिल होने के लिए दौड़ रही हैं. शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

अमित शाह, गृह मंत्री।

“ओडिशा में दर्दनाक ट्रेन हादसे में कीमती जान गंवाने से गहरा दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं प्रभावित यात्रियों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री।

“बालासोर ट्रेन हादसे से प्रभावित लोगों के परिजन अपने लोगों की जानकारी लेने के लिए इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।आपको इन नंबरों पर संपर्क करने में किसी भी प्रकार की समस्या आ रही हो तो निम्नवत ट्विटर हैंडलों को टैग करके अपनी समस्या साझा कर सकते हैं। साथ ही अगर आप झारखंड से हैं और किसी भी प्रकार का सहयोग चाहते हैं तो हमारे ट्विटर इनबॉक्स में हमें मैसेज करें, हमारी टीम आपकी मदद की पूरी कोशिश करेगी।

बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम झारखंड।

“बालासोर रेल दुर्घटना अत्यंत ही हृदय विदारक है। रेल दुर्घटना में मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूँ और तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। इस देश का रेल मंत्री कौन है? यह कोई नहीं जानता लेकिन रेल बजट खत्म कर चेहरा चमकाने के लिए रेलगाड़ियों को हरी झंडी कौन दिखाता है यह सब जानते है। इतने बड़े रेल हादसे का दोषी कौन?

लालू यादव, पूर्व सीएम बिहार।

बाहनगा रेलवे स्टेशन पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, घटना का लिया जायजा

हादसे के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : PM

AGENCY BHUBANESWAR : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के बालेश्वर जिले के बाहनगा रेलवे स्टेशन के पास हुई भीषण ट्रेन दुर्घटना स्थल पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ट्रेन दुर्घटना के लिए दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कल शाम को एक भयंकर हादसा हुआ, असहनीय वेदना मैं अनुभव कर रहा हूं। इस यात्रा में अनेक राज्यों के नागरिकों ने कुछ न कुछ गंवाया है। कई लोगों ने अपना जीवन खोया है। यह बहुत दर्दनाक, मन को विचलित करने वाला है। जिन परिवारजनों को क्षति हुई है, सरकार उनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए भी कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि जो परिजन हमने खोये हैं, वो तो वापस नहीं लौट पाएंगे, लेकिन सरकार उनके परिजनों के दुख में उनके साथ है। सरकार के लिए यह घटना अत्यंत गंभीर है। हर प्रकार की जांच के निर्देश दिए गए हैं। जो भी दोषी पाया जाएगा उसको सख्त से सख्त सजा होगी, उसे बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं ओडिशा सरकार और यहां के प्रशासन के सभी अधिकारियों का, जिन्होंने इस तरह की परिस्थिति में, उनके पास जो भी संसाधन थे, लोगों की मदद करने का प्रयास किया। मैं यहां के नागिरकों का हृदय से अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं इस दुख की घड़ी में घटनास्थल पर जाकर देखकर आया हूं। अस्पताल में जो घायल नागिरक थे, उनसे मैंने बात की है।

ओडिशा के बालेश्वर जिले के बाहनगा रेलवे स्टेशन पर घटना की जानकारी लेते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ● एजेंसी

रेल मंत्री, ओडिशा-बंगाल के सीएम बालासोर पहुंचे

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सुबह बालासोर पहुंचे और हादसे की जांच के आदेश दिए। उन्होंने मृतकों के परिवार को 10 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायल लोगों के लिए 2 लाख रुपए और चोट लगने वाले लोगों के लिए 50,000 रुपए देने की घोषणा की है। राहुल और प्रियंका गांधी ने हादसे पर दुख जताते हुए पार्टी कार्यकताओं से लोगों की मदद करने की अपील की है। ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक ने बालासोर अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने राज्य में एक दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भी बालासोर पहुंची। उन्होंने प्रभावितों के लिए राज्य की तरफ से मुआवजे का ऐलान किया। इधर, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने ओडिशा के मुख्यमंत्री से बात की है। राज्य के तीन मंत्री ओडिशा पहुंचे हैं।

3 घंटे का था फर्क, एक साथ आने से हुआ हादसा

ट्रेन नंबर 12864 बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस 1 जून को सुबह 7:30 बजे बेंगलुरु के यशवंतपुर स्टेशन से चली थी। इसे 2 जून को शाम करीब 8 बजे हावड़ा पहुंचना था। यह अपने समय से 3.30 घंटे की देरी से 6:30 बजे भद्रक पहुंची। अगला स्टेशन बालासोर था, जहां ट्रेन 4 घंटे की देरी से 7:52 पर पहुंचने वाली थी। वहीं, ट्रेन नंबर 12841 शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस 2 जून को ही दोपहर 3:20 बजे हावड़ा से रवाना हुई थी। ये 3 जून को शाम 4:50 बजे चेन्नई सेंट्रल पहुंचती। यह अपने सही समय पर 6:37 बजे बालासोर पहुंची। अगला स्टेशन भद्रक था जहां ट्रेन को 7:40 बजे पहुंचना था, लेकिन 7 बजे करीब दोनों ट्रेन बहानगा बाजार स्टेशन के पास से आमने-सामने से गुजरीं, तभी हादसा हुआ।

दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से धराए उग्रवादी, देसी कार्बाइन समेत कई सामान हुए बरामद

हथियार के साथ छह PLFI उग्रवादी गिरफ्तार

PHOTON NEWS KHUNTI : खूंटी जिले की पुलिस ने दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से छह उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। खूंटी के कर्रा थाना क्षेत्र के तुयु जंगल से पुलिस ने चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है और हथियार भी बरामद किए हैं। इधर, खूंटी जिले के सायको थाना क्षेत्र के बुर्जू रूईटोला में लेवी वसूलने के लिए पहुंचे दो उग्रवादियों को पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ा। इनमें संजय मुंडरी और एसी रमाय शामिल हैं। तोरपा एसडीपीओ ओम प्रकाश तिवारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ये जानकारी दी।

प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देती पुलिस ● फोटोन न्यूज

कर्रा से पीएलएफआई के चार उग्रवादी अरेस्ट : खूंटी के कर्रा थाना क्षेत्र के तुयु जंगल से पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पीएलएफआई के चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें अजय धान उर्फ सोमा, चंदन होरो, जतरू हेरेंज और मनी मुंडा शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास एक देसी कार्बाइन, .315 बोर की एक देसी राइफल, 12 बोर की एक देसी बंदूक, 9 एमएम की तीन गोली, .315 बोर की चार गोली, 12 बोर की दो गोली, तीन मोबाइल और पीएलएफआई का दस पर्चा बरामद किया गया है। पर्चा में पीएलएफआई की उप शाखा ब्लैक टाइगर अंकित है। तोरपा एसडीपीओ ओम प्रकाश तिवारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि वे संगठन चलाने की कोशिश कर रहे थे। अभियान में तोरपा एसडीपीओ ओम प्रकाश तिवारी, इंस्पेक्टर दिग्विजय सिंह, कर्रा थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह, पुअनि संजीव कुमार, संदीप कुमार और सशस्त्र बल शामिल थे।

लेवी वसूलने पहुंचे दो नक्सली अरेस्ट : खूंटी जिले के सायको थाना क्षेत्र के बुर्जू रूईटोला में लेवी वसूलने के लिए पहुंचे दो उग्रवादियों को पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ा। इनमें संजय मुंडरी और एसी रमाय शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास एक बाइक, 7.62 एमएम की तीन गोली, .315 बोर की एक गोली, पीएलएफआई का चंदा रसीद दो, पर्चा दो और मोबाइल बरामद किया है। तोरपा एसडीपीओ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि एसपी अमन कुमार को सूचना मिली थी कि कुछ उग्रवादी रूईटोला में लेवी वसूलने के लिए आने वाले थे। सूचना के आधार पर संभावित रास्ते में वाहन चेकिंग लगाया गया। पुलिस को देखते हुये उग्रवादी भागने लगे। पुलिस ने उन्हें पकड़ा। अभियान में खूंटी एसडीपीओ अमित कुमार, सायको थाना प्रभारी रितेश कुमार महतो, सअनि मेघ राउत और सशस्त्र बल शामिल थे।

मणिपुर में कुकी उग्रवादियों की फायरिंग में 15 ग्रामीण घायल

AGENCY IMPHAL : मणिपुर में कुकी समुदाय के उग्रवादियों की फायरिंग में कम से कम 15 ग्रामीण घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर है। घायलों को इंफाल के क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इंफाल पश्चिम जिले कांगचुप फाएंग और चिंगखोंग गांवों पर शनिवार की भोर में करीब 2.20 बजे अत्याधुनिक हथियारों से हमला किया गया। राज्य पुलिस के शीर्ष सूत्रों के अनुसार संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने दो गांवों में फायरिंक की जिसमें कम से कम 15 लोग घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर है। सभी घायलों को इंफाल के क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया है। पुलिस के शीर्ष सूत्रों ने ग्रामीणों के हवाले से बताया कि बड़ी संख्या में कुकी उग्रवादी अत्याधुनिक हथियारों के साथ कांगचुप तलहटी के अबुलोक इलाके में दाखिल हुए। उन्होंने पहले वहां नागरिकों के घरों को जलाने की कोशिश की। जब ग्रामीणों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो हथियारबंद उग्रवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मणिपुर की अपनी चार दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन एक जून को इंफाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुकी उग्रवादियों को नियमों का उल्लंघन नहीं करने की चेतावनी दी थी। बावजूद इसके मणिपुर के विभिन्न हिस्सों में कथित कुकी उग्रवादियों ने नागरिकों पर गोलीबारी की ताजा घटनाओं को अंजाम दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उग्रवादियों ने संबंधित दो गांवों पर जब हमला किया तो सेना, बीएसएफ, असम राइफल्स और राज्य पुलिस की टीमों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर हमलावरों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया।

रामगढ़ में सरकारी जमीन की खरीद बिक्री पर रोक को CO ने लगवाया Board

अब भू-माफिया को चिन्हित किया जा रहा है और उन पर कार्रवाई कर नकेल कसी जायेगी

दीवार पर लिखवाई गई सरकारी जमीन संबंधी जानकारी। ● द फोटोन न्यूज

रामगढ़ अंचल अधिकारी लोगों के साथ बातचीत करते हुए। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RAMGARH : जिले के नई सराय में सरकारी जमीन की अवैध तरीके से बिक्री पर रामगढ़ अंचल अधिकारी सुधीर कुमार ने शनिवार को टीम भेजकर सरकारी जमीन पर ना सिर्फ बोर्ड लगवाया, बल्कि यह भी कहा कि भू माफियाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी होगी।

रामगढ़ अंचल के नईसराय खाता 01. प्लॉट 215 में भू माफिया के द्वारा सरकारी जमीन पर फैक्टरी का डस्ट गिरा कर बड़े पैमाने पर जमीन की घेराबंदी का कार्य किया जा रहा है। नेसार नामक व्यक्ति के द्वारा जमीन की खरीद बिक्री की जा रही है। नेसार ने कई लोगों को जमीन एग्रीमेंट पर दिया गया है। जिस पर लोगों ने घर भी बना लिया है। नईसराय प्लॉट नंबर 1 खाता नंबर 215 में सरकारी बोर्ड लगा दिया गया है।

रामगढ़ अंचल के सीआई राजाराम मुंडा दलबल के साथ सरकारी जमीन पर पहुंचकर सरकारी बोर्ड लगा दिया। सीआई ने कहा कि लगातार लोगों के द्वारा सूचना मिल रही थी भू माफिया के द्वारा जमीन पर बड़े पैमाने पर कब्जा किया जा रहा है, जिसको लेकर कार्रवाई की गई है। अब भू माफिया को चिन्हित किया जा रहा है और उन पर कार्रवाई कर नकेल कसा जाएगा।

BRIEF NEWS

एमआरएमसीएच ने की डीडीसी और सहायक पुलिस अधीक्षक की छापामारी

MADNINAGAR : पलामू के प्रमंडलीय अस्पताल एमआरएमसीएच मेदिनीनगर में शुक्रवार देर रात सिविल और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से आधे घंटे तक छापेमारी की। इस दौरान 11 बिचौलिए पकड़े गए। सभी को शहर थाना लाया गया। शनिवार को जरूरी कानूनी कार्रवाई करने के बाद पीआर बांड पर सभी को छोड़ा गया है। हिदायत दी गई है कि अगली बार अगर वे अस्पताल में दिखते हैं तो जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी। जिले के उपायुक्त एवं स्वास्थ्य विभाग को सूचना मिली थी कि एमआरएमसीएच में दिन और रात के समय अनावश्यक रूप सहिया और एमआर से लोग जमा रहते हैं और वहां भर्ती मरीजों को दिग्भ्रमित कर निजी अस्पताल में इलाज करने के लिए मजबूर कर देते हैं। गरीब मरीजों को मेडिकल स्टोर में जाकर उन्हें मोटी रकम की दवा दिलवा देते हैं और अपना कमीशन लेते हैं। एमआरएमसीएच में प्राइवेटे एम्बुलेंस वालों की दादागिरी चलती है। इसकी सूचना के आलोक में पलामू के डीडीसी रवि आनंद और सहायक पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने संयुक्त रूप से शुक्रवार रात 11.30 बजे से लेकर 12 बजे तक संयुक्त कार्रवाई की। एमआरएमसीएच में चारों गेट बंद कर छापामारी की और जो संदिग्ध मौके पर पाए गए उन्हें पकड़कर शहर थाना लाया गया। पकड़े गए व्यक्तियों में कुंड मुहल्ला के सरताज खलीफा, हॉस्पिटल चौक के छोटू, संयोग, गुड्डू एवं अन्य पकड़ कर पूछताछ की गई। लोग बताने से हिचक चाह रहे थे इसी पर अंदेशा किया गया और उन्हें पकड़ा गया। इस करवाई को देखकर वहां पर मौजूद अन्य बिचौलिये फरार हो गए है। अचानक हुई प्रशासनिक कार्यवाही से अस्पताल में जमा होने वाले बिचौलियों में हड़कंप मच गया है।

पलामू में मध्य विद्यालय बना तेंदू पता का गोदाम, बीडीओ ने फटकार लगाकर कराया खाली

PALMU : जिले के तरहसी प्रखंड के सुदूरवर्ती और नक्सल प्रभावित गोइंदी पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय जमुनाडीह को इन दिनों तेंदू पता का गोदाम बना दिया गया है। विद्यालय परिसर में आंगनबाड़ी केन्द्र के बंद रहने की सूचना पर शनिवार को मौके पर पहुंचे प्रखंड विकास पदाधिकारी सह बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सचिदानंद महतो की जांच में स्कूल परिसर तेंदू पता का गोदाम नजर आया। बीडीओ विद्यालय परिसर में केन्दू पता से भरे बोरे को देखकर भड़क गए। उन्होंने वहां मौजूद मजदूर, ट्रैक्टर चालक एवं तेंदू पता की देखरेख कर रहे लोगों को जमकर फटकार लगाई। इसके बाद मजदूर माफी मांगने लगे और जल्दी जल्दी में सारे बोरों को हटाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के मंदिर में अवैध तरीके से तेंदूपता रखने से शर्म नहीं आती। इसकी अनुमति किसने दी। बीडीओ ने कहा कि सबसे अहम बात यह रही कि विद्यालय के सामने गोइंदी पंचायत के मुखिया का घर है। उन्होंने भी इसके लिए कोई पहल नहीं की। बीडीओ ने पाया कि विद्यालय के बरामदे में 60 बोरों में भरकर तेंदू पता को रखा गया था। बीडीओ ने यह भी कहा कि शिकायत मिली थी कि उत्क्रमित मध्य विद्यालय जमुनाडीह परिसर में हो संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र बराबर बंद रहता है। सेविका को इस सिलसिले में शोकॉज किया गया है। दो दिनों में जवाब नहीं देने पर चयन मुक्त करने की कार्रवाई की जाएगी। आंगनबाड़ी केन्द्र में जहां पर बैठाकर बच्चों को भोजन दिया जाता है, वहां भी तेंदू पता के बोरे भर दिए गए थे।

गावां में पिकअप वैन व टेंपो में टक्कर, एक की मौत

GIRIDIH : गावां थाना क्षेत्र के बगदेडीह में शुक्रवार की रात करीब दस बजे तेज रफ्तार पिकअप वैन ने यज्ञ देखने जा रहे लोगों के टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। घटना में चेतलाल यादव की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चार लोग घायल हो गए। इनमें एक महिला गंभीर है।मृतक इसी थाना के भेलवा गांव निवासी था। रात 11 बजे घटना के विरोध में घटनास्थल पर रोड जाम किया गया। पुलिस ने रात में ही सबों को समझा कर रोड को मुक्त करवाया। गावां थाना क्षेत्र के भेलवा गांव से कई लोग टेंपो में बैठकर यज्ञ देखने सांख जा रहे थे। इसी बीच विपरीत दिशा से आ रही पिकअप वैन ने टेंपो में टक्कर मार दी। घटना के दौरान टेंपो में सवार भेलवा गांव निवासी 60 वर्षीय चेतलाल यादव की मौत हो गई। वहीं जगदीश यादव की पत्नी गायत्री देवी गंभीर रूप से जख्मी है। बादीडीह पंसस अशोक यादव ने 108 एम्बुलेंस की मदद से उक्त महिला को गावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद महिला को बेहतर इलाज के लिए गिरिडीह रेफर कर दिया गया। जबकि अन्य घायलों को मामूली चोटें आई। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के स्वजन व ग्रामीण घटना स्थल पहुंच गए और शव को सड़क पर रख कर पटना- डोरंडा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। सूचना पर जिप सदस्य पवन चौधरी, थाना प्रभारी सन्नी सुप्रभात समेत कई जनप्रतिनिधि घटनास्थल पर पहुंचे। पहले मृतक के स्वजनों ने पुलिस को शव सौंपने से इंकार कर दिया। बाद में पुलिस व जनप्रतिनिधियों के समझाने पर शव को उठाने दिया गया।

सामूहिक गैंगरेप के पांचवें आरोपित ने पुलिस दबाव में किया सरेंडर

MADNINAGAR : पुलिस दबाव में सामूहिक दुष्कर्म कांड के पांचवें आरोपित राजू ठाकुर ने शनिवार को पलामू न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में गत 18 मई की रात नाबालिग किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई थी। पीड़िता की मां ने घटना के दूसरे दिन गांव के ही दिनेश ठाकुर, नितीश ठाकुर, रोहित ठाकुर, सचिन ठाकुर उर्फ मांझीला, राजू ठाकुर और सचिन ठाकुर के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी थी। घटना की रात ही ग्रामीणों ने एक आरोपी दिनेश ठाकुर को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया था। नितीश ठाकुर 21 मई को नबीनगर थाना क्षेत्र के कोइरीयाडीह गांव से, जबकि 22 मई को सचिन ठाकुर उर्फ मांझीला व रोहित ठाकुर को गिरफ्तार कर किया गया था। 23 मई को इस कांड का आरोपी सचिन ठाकुर का शव फंदे से लटका बरामद किया गया था। पांचवे आरोपी राजू ठाकुर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबाव बनाए हुए थी। थाना प्रभारी जगन्नाथ धान ने बताया कि छह आरोपितों में से पांच जेल भेजे जा चुके हैं, जबकि एक की संदिग्ध हालत में मौत हो चुकी है।

32 किलो गांजा के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

BOKARO : पुलिस शनिवार के अहले सुबह उकरीद मोड़ के पास तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 16 पैकेट में 32 किलो गांजा बरामद किया है। आरोपियों में सुमित कुमार, साजिद अनवर, अमित माली शामिल हैं। यह जानकारी ट्रैफिक डीएसपी पूनम मिंज ने दी।

धनबाद में आपराधिक गिरोह के नौ सदस्य गिरफ्तार

DHANBAD : जिला पुलिस ने एक अंतरप्रांतीय गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने इस गिरोह में शामिल एक महिला समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से नकदी समेत हथियार भी बरामद किया है। यह गिरोह हत्या और दहशत फैलाने जैसे करीब 30 अलग अलग आपराधिक घटनाओं में सीधे शामिल रहा है। धनबाद एसएसपी संजीव कुमार शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस गिरोह का खुलासा करते हुए कहा कि धनबाद पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर एक महिला समेत कुल नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि ये सभी धनबाद के अलग जगहों पर हुए आपराधिक घटनाओं में शामिल रहे है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधी झारखंड और उत्तर प्रदेश के रहने वाले है, जो झारखंड, के धनबाद, बोकारो, दुमका, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार और गुजरात में भी कई आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे चुके है।

टैंकर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत

युवक की मौत के बाद लोगों ने किया सड़क जाम। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS GARHWA : गढ़वा-शाहपुर रोड में गढ़वा थाना क्षेत्र के हूर मोड़ के समीप शनिवार को हुई सड़क दुर्घटना में असलम खान 25 वर्ष पिता असरुद्दीन की मौत हो गई। मृतक गढ़वा थाना क्षेत्र के पिपरा गांव का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार असलम खान अपनी मोटरसाइकिल से गढ़वा से घर जा रहा था। इस दौरान एक तेल टैंकर ने उसकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दिया। इससे असलम खान की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि टैंकर चालक गाड़ी को छोड़कर वहां से फरार हो गया। इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने गढ़वा -शाहपुर रोड को जाम कर दिया है। आक्रोशित लोग टैंकर चालक को गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े हुए हैं। इसकी सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंचे गढ़वा के बीडीओ कुमुद कुमार झा एवं गढ़वा थाना प्रभारी केके साहू ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम हटवाने के प्रयास में जुटे हुए हैं। दिन के साढ़े बारह बजे तक प्रशासन को जाम हटाने में सफलता नहीं मिल सके थी।

जाम समर्थकों ने कई वाहनों के तोड़े शीशे : टैंकर की चपेट मैं आकर असलम की मौत से आक्रोशित लोगों ने जमकर बवाल काटा। जाम समर्थक उक्त रास्ते से गुजरने वाले कई छोटे वाहनों के शीशे तोड़ डाले। साथ ही कुछ की पिटाई भी की। इनकी पिटाई से श्री बंशीधर नगर थाना क्षेत्र के कोल्हुआ गांव निवासी जफर अंसारी का हाथ टूट गया। जफर को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सिमडेगा में महिला की हत्या

बरामद हेलमेट। ● द फोटोन न्यूज

SIMDEGA : सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत गरजा के निकट शंख नदी जाने वाली डांड़टोली के रास्ते में झाड़ी के बीच एक महिला की हत्या कर दी गई। घटना की सूचना शनिवार को अहले सुबह ग्रामीणों को हुई। ग्रामीणों ने तत्काल थाना को इसकी सूचना दी। हत्यारों ने महिला की की पहचान छुपाने के लिए ईंट-पत्थर से चेहरे को कुचल दिया था। इस कारण महिला की पहचान नहीं हो पा रही है।

हत्या के मामले का उद्भेदन करने के लिए पुलिस ने रांची से डॉग स्क्वायड की टीम मंगाई लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद महिला के शव को सुरक्षित पहचानी के लिए रखा गया है। घटना स्थल से एक लाल रंग का हेलमेट बरामद हुआ है।

धनबाद स्टेशन के फुट ओवरब्रिज से लगाई छलांग, ओवरहेड से सट कर बुरी तरह झुलसा

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद रेलवे स्टेशन के फुट ओवरब्रिज से एक व्यक्ति ने छलांग लगा दी। मालगाड़ी के आगे कूदा शख्स ओवरहेड तार की चपेट में आ गया। इससे उसके शरीर का बड़ा हिस्सा बुरी तरह झुलस गया। गंभीर हालत में उसे आरपीएफ पहले रेलवे हास्पिटल ले गई। रेलवे के डाक्टर ने एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया।

धनसार का रहने वाला है छलांग लगाने वाला भाई ने बताया मानसिक विक्षिप्त : फुटओवर ब्रिज से छलांग लगाने के पास से मिले आधार कार्ड से पता चला उसका नाम प्रमोद अग्रवाल है। 48 साल के प्रमोद अग्रवाल धनसार के कांटा घर महावीर स्थान के पास रहते हैं। घरवालों से संपर्क करने पर भाई पवन अग्रवाल ने बताया कि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त है।

पहले ओवरहेड तार फिर मालगाड़ी के ऊपर गिरा : फुटओवर ब्रिज से नीचे कूदने वाला पहले ओवरहेड तार के ऊपर गिरा। फिर हाईटेंशन तार के जोरदार झटके से मालगाड़ी के ऊपर गिर गया। उसे छलांग लगाते देख प्रत्यक्षदर्शियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। आरपीएफ को सूचना दी गई। आन ड्यूटी आरपीएफ जवान शशि कुमार संतोष और स्टेशन के दूसरे कर्मचारी पहुंचे। उन्होंने प्लेटफार्म 3 और 4 के बीच लूप लाइन में लगी मालगाड़ी के एक वैगन के ऊपर बुरी तरह जख्मी हालत में पड़े व्यक्ति को उठाया और अस्पताल ले गए। आरपीएफ ने नीचे कूदने वाले के नशे में होने की आशंका जताई।

घायल व्यक्ति को ले जाते रेलवे पुलिसकर्मी व लोग। ● द फोटोन न्यूज

Scrap चोरी कर ले जा रहे दो पिकअप वैन जब्त, छह गिरफ्तार

PHOTON NEWS SARAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिलान्तर्गत खरसावां के बुरुडीह स्थित अभिजीत स्टील कंपनी के बंद पड़े प्लाट में शुक्रवार की रात चोरी कर दो छोटा हाथी वाहन से केबल तार लेकर जा रहे छह चोरों को गश्ती दल में शामिल पुलिसकर्मियों ने धर दबोचा। इस दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर चोरी की वारदात में शामिल करीब पांच चोर पुलिस को चकमा दे कर भागने में सफल रहे।

जानकारी के अनुसार बीते शुक्रवार की देर रात बुरुडीह स्थित अभिजीत स्टील प्लांट में दस-ग्यारह युवक केबल तार काटकर दो छोटा हाथी वाहन में लेकर आदित्यपुर की ओर जा रहे थे। इसी क्रम में सरायकेला पुलिस की रात्रि गश्ती में तैनात पुलिस पदाधिकारी सुगालाल सिंह ने गुटूसाही गांव के पास दो छोटा हाथी वाहन को जाते देखा। पुलिसकर्मियों ने जब गाड़ी रोकने का प्रयास किया तो वाहन चालक गाड़ी भगाने लगा जिसे गश्ती दल ने दौड़ाकर पकड़ लिया।

वाहन की जांच की गई तो उसमें भारी मात्रा में केबल के तार रखे हुए मिले। तत्पश्चात, छह युवकों को पुलिस ने दबोच लिया, जबकि अंधेरे का फायदा उठाकर पांच युवक भागने में सफल रहे। पकड़ाए चोरों ने पुलिस के समक्ष पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया वे अभिजीत कंपनी से तार लेकर आदित्यपुर अभिषेक नामक व्यक्ति के खटाल में लेकर जा रहे थे। चोरों ने बताया कि वे काफी समय से अभिजीत कंपनी से केबल तार चोरी कर बेचते हैं।

पुलिस ने चोरी में शामिल छह युवकों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज किया है। इसके अलावे अन्य पांच अज्ञात चोरों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। सरायकेला थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने बताया कि पकड़ाया सभी चोर जमशेदपुर स्थित जुगसलाई कहा रहने वाले हैं। पुलिस की गिरफ्त में आए चोरों में मो जालान, मो राजू, मो अख्तर, मो एजाज आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बाकी फरार चोरों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

खूंटी के कुलहुटू जंगल में एचइसी कर्मी की गोली मारकर हत्या

KHUNTI : कर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत लोधमा-रांची मुख्य पथ पर कुल्हुटू जंगल के पास शनिवार सुबह बदमाशों ने कुल्हुटू निवासी एचइसी कर्मी रंजीत नगडुवार (47) की गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार एचइसी में वर्ष 2006 से टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत रंजीत नगडुवार कुल्हुटू स्थित घर से शनिवार सुबह लगभग 7.30 बजे स्कूटी से ड्यूटी जा रहे थे। इस बीच कुल्हुटू जंगल के पास अज्ञात अपराधियों ने उन्हें गोलियों से भून डाला। फिलहाल, हत्याकांड के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। कुछ लोगों का कहना है कि रंजीत ने कुछ दिनों पूर्व रिंग रोड में एक जमीन खरीदी है। खरीदी गई जमीन को लेकर कुछ लोगों से उनका विवाद चल रहा था।

लातेहार में अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई, पत्रकार की मौत

PHOTON NEWS LATEHAR : जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र के नवादा मोड़ के पास सड़क दुर्घटना में शनिवार को लातेहार के पत्रकार कौशल किशोर पांडेय (50) की मौत हो गई। कौशल जिले के मनिका प्रखंड मुख्यालय के रहने वाले थे।

मिली जानकारी के अनुसार कौशल किशोर एक शादी समारोह में भाग लेने शेखपुरा बिहार गए हुए थे। शादी समारोह संपन्न होने के बाद शनिवार को वे कार से मनिका लौट रहे थे। इसी दौरान नवादा मोड़ के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई। इस दुर्घटना में कौशल किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें तत्काल बालूमाथ अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पत्रकार कौशल किशोर के निधन पर स्थानीय लोगों ने गहरी संवेदना प्रकट की है।

मृत कौशल किशोर। ● द फोटोन न्यूज

पुलिस ने ATM लूट की बड़ी घटना को किया विफल, तीन गिरफ्तार

PHOTON NEWS SARAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिला के आदित्यपुर थाना पुलिस ने एटीएम लूट की बड़ी घटना को टाल दिया है। बीते शुक्रवार की देर रात करीब डेढ़ बजे मिले गुप्त सूचना के आधार पर अदित्यपुर थाना प्रभारी राजन कुमार ने पुलिस अधिकारी राजू राणा, हवलदार सुरेंद्र यादव, टाईगर मोबाइल के जवानों के साथ टाटा-कांड्रा मुख्य मार्ग पर स्थित शिवरंजनी अपार्टमेंट परिसर में स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम को लुटने से बचा लिया।

जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी के कुशल नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों ने पूरे परिसर की घेराबंदी कर तीन एटीएम लुटेरों को धर दबोचा। गिरफ्त में आए तीन में से दो लुटेरे आरआईटी थाना क्षेत्र के बताए जा रहे हैं, जिसका नाम रंजीत झा एवं परमजीत सिंह बताया गया है, जबकि एक का नाम दीपक सिंह है जो आदित्यपुर के एस टाइप का रहनेवाला बताया जा रहा है।

थाना प्रभारी राजन कुमार ने बताया कि जैसे ही उन्हें एटीएम में चोरी की सूचना मिली उन्होंने तत्काल अपने अधिकारियों के साथ आशियाना चौक से लेकर एस टाइप चौक तक घेराबंदी कर दी। जगह-जगह टाइगर मोबाइल के जवानों को लगा दिया और एएसआई राजू राणा के साथ खुद शिवरंजनी अपार्टमेंट पहुंचे और वहां एचडीएफसी बैंक के एटीएम में घुसे तीन चोरों को धर दबोचा। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व उनके द्वारा एक और एटीएम में चोरी का प्रयास किया गया था, जहां असफल होने के बाद उन्होंने एचडीएफसी बैंक के एटीएम पर निशाना साधा।

जहां जेसीबी को जलाया गया है उस जगह पर कई महीनों से जेसीबी लगाई जा रही थी

पलामू में बदमाशों ने पेट्रोल डालकर जेसीबी को किया आग के हवाले

PHOTON NEWS MADNINAGAR : सतबरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत ठेमा गांव में शुक्रवार की देर रात बदमाशों ने जेसीबी मशीन में पेट्रोल डालकर आग लगा दी, जिसमें जेसीबी जलकर नष्ट हो गई।

बताया जाता है कि शुक्रवार रात करीब 12:30 बजे उस समय घटना हुई जब आसपास के ग्रामीण सो रहे थे। जेसीबी मशीन के टायर धधकती आग से ब्लास्ट होने लगे, तब ग्रामीणों की नींद खुली। सभी उस ओर दौड़ पड़े। सतबरवा थाना पुलिस और जेसीबी मशीन के संचालक को तुरंत सूचना दी गई।

जेसीबी में लगी आग को देखते ग्रामीण। ● द फोटोन न्यूज

पुलिस के सहयोग से ग्रामीणों ने जेसीबी मशीन में लगी आग को बुझाने का भी प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। शनिवार की सुबह तक जेसीबी मशीन धू-धू कर जल रही थी। पुलिस ने मशीन के संचालक से जरूरी जानकारी ली है। ग्रामीणों ने बताया कि जिस जगह पर जेसीबी मशीन को जलाया गया है उस जगह पर कई महीनों से जेसीबी मशीन लगाई जा रही थी। बस्ती के बीचों-बीच हुई घटना के बाद लोग सहमे हुए हैं। इस संबंध में सतबरवा के थाना प्रभारी अमित कुमार सोनी ने शनिवार को बताया कि जेसीबी मशीन जलाने में शरारती तत्वों का हाथ हो सकता है। प्रतीत होता है कि इस कार्य में किसी भी नक्सली संगठन का हाथ नहीं है। उन्होंने बताया कि अगर नक्सली संगठन के लोगों का हाथ होता तो संगठन की ओर से पर्चा छोड़कर जिम्मेवारी ली जाती। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की लेवी की मांग नहीं करना इससे स्पष्ट होता है इस घटना को अपराधियों ने अंजाम दिया है। मामले में छानबीन हर पहलू पर पुलिस कर रही है।

BRIEF NEWS

महिला से मोबाइल छिनतई का आरोपी धराया

RANCHI : सदर थाना क्षेत्र के कोकर तिरिल में साईकिल सवार महिला के हाथ से मोबाइल छिनतई कर भाग रहा अपराधी पकड़ा गया। अपराधी का नाम रंजीत तिर्की है वो जोड़ा तालाब के इंद्रप्रस्थ कालोनी का रहने वाला है। इस संबंध में पीड़िता के बयान पर सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पूछताछ के बाद आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया है जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार शनिवार को दोपहर में चूना भट्ठा निवासी महिला ललिता कच्छप साइकिल पर मोबाइल से बात करते हुए जा रही थी। इसी बीच पीछे से आ रहे स्कूटी सवार युवक तेजी से मोबाइल झपटा और भागने लगा। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग पीछे दौड़े। आरोपित स्कूटी पर नियंत्रण नहीं रख सका और आटो से जा टकराया। लोगों ने पकड़ कर उसकी जमकर धुनाई की। इसके बाद पुलिस को सौंप दिया।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह दिल्ली रवाना

RANCHI : एशिया हॉकी महासंघ के उपाध्यक्ष और हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह विदेश में आयोजित कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए रांची से शनिवार को दिल्ली के लिए रवाना हुए। दिल्ली से आज रात स्वीट्जरलैंड जायेंगे, जहां वे विश्व हॉकी महासंघ के बैठक में भाग लेंगे। पांच और छह जून दो दिनों तक आयोजित इस बैठक में भाग लेने के साथ ही वह स्वीट्जरलैंड में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाच से भी मिलेंगे और भारत में हॉकी के विकास पर चर्चा करेंगे। वे स्वीट्जरलैंड से छह मई को जापान जायेंगे और वहां महिला हॉकी जूनियर एशिया कप के कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता में शामिल भारतीय महिला हॉकी टीम में झारखंड की भी तीन खिलाड़ी दीपिका सोरेंग, महिमा टेटे और रोपनी कुमारी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भोलानाथ सिंह हॉकी झारखंड के भी अध्यक्ष हैं।

डीएसपीएमयू में पोस्टर मेकिंग व डिबेट प्रतियोगिता

RANCHI : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम के तीसरे दिन डिबेट और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पहले सत्र में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 22 छात्रों ने भाग लिया। दूसरे सत्र में डिबेट प्रतियोगिता में 20 छात्रों ने भाग लिया। इसका थीम था- निर्धन राष्ट्र पर्यावरण की हानि के लिए अधिक जिम्मेवार। प्रतियोगिताएं संबंधित कमेटियों के सदस्यों के दिशा निर्देशानुसार संचालित की गई। पोस्टर मेकिंग कमिटी के सदस्यों में डॉ अजिता कुमारी, मार्ग्रेट कुजूर, ज्योति वर्मा, डॉ मालती वेंगेश लकड़ा शामिल थे। डिबेट प्रतियोगिता ज्योति बाला, नाहिद वसी, श्रीमित्रा, डॉ। जितेंद्र सिंह और तनुजा किंडो के दिशा निर्देश पर हुई।

एसबीआइ बैंक के समीप से बाइक की चोरी

RANCHI : कोकर में एसबीआइ बैंक के समीप से एक ग्राहक की बाइक जेएच 10 बीके6211 की चोरी हो गई। घटना दो मई की दोपहर एक बजे की है। भुक्तभोगी ने सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। मोरहाबादी के साईंस सिटी निवासी कुमार गौरव किसी काम से बैंक आये थे। दोपहर 2.15 बजे जब बैंक से बाहर आये तो बाइक नहीं था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

15 साल की नाबालिग से रचाई शादी किया दुष्कर्म, थाने में प्राथमिकी दर्ज

पांचवीं कक्षा की छात्रा है नाबालिग, पढ़ाने के नाम सौतेली मौसी ले गई थी बोकारो

CRIME REPORTER RANCHI : 15 वर्षीय नाबालिग ने 45 साल के व्यक्ति पर यौन शौषण का आरोप लगाया है। उसने जगन्नाथपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। जानकारी के अनुसार, नाबालिग की मौसी ने उसकी शादी अपने 45 साल के भतीजे निरूपम पाल से जबरन शादी करा दी थी। जिसके बाद उसके भतीजे ने नाबालिग का ना सिर्फ यौन शोषण किया बल्कि उसे गर्भवती भी कर दिया। थाना में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, नाबालिग खूंटी में पढ़ती है। वह कक्षा पांचवीं की छात्रा है। 4 नवंबर 2022 को वह अपनी मां के पास पैसे लेने रांची आयी थी। जैसे ही वह बिरसा चौक पर पहुंची, तो वहां उसकी सौतेली मौसी और ममेरा भाई निरूपम पाल मिला। दोनों ने उसे रोका। दोनों बाइक पर बैठे हुए थे। उसे बाइक पर बैठने को कहा गया। छात्रा के अनुसार, जब उसने कहा कि मुझे पैसे लेने के लिए मां के पास जाना है तो दोनों ने कहा कि पहले मेरे यहां चलो। बाद में तुमको मां के यहां छोड़ देंगे। फिर वह दोनों के साथ बाइक पर बैठ गयी। उसे मौसी अपने घर (रीतूडीह,वाटर टैंक, थाना-माराफरी, जिला-बोकारो) लेकर चली गयी। जब वो वहां पहुंची तो उससे कहा गया कि तुम अब यहीं रहकर पढ़ाई करो और घर का कुछ काम कर दिया करो। इसके बाद वो वहीं रहने लगी। लेकिन 7 दिन बाद ही उसका ममेरा भाई (सौतेला) छेड़छाड़ करने लगा। जब उसने विरोध किया तो किसी ने उसका साथ नहीं दिया और उसे कमरे में बंद कर दिया गया। आंगन में निकलने पर बाहर का दरवाजा बंद कर दिया जाता था। ताकि वो बाहर नहीं निकल सके। पीड़ित छात्रा के अनुसार, स्कूल में नाम लिखाने के बजाय 15 दिन के बाद तीन आदमियों की उपस्थिति में उसकी शादी कराने का ढोंग रचा गया। ताकि वह विरोध नहीं कर सके। उसके होने वाले ससुर ने कुछ मंत्र पढ़कर शादी हो जाने की बात कही।

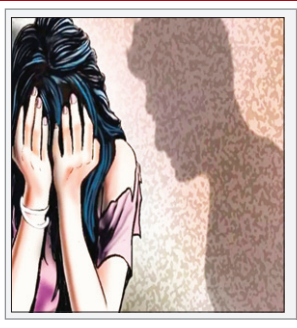

मां ने जांच कराया तो नाबालिग निकली गर्भवती

पीड़िता के अनुसार, शादी के बाद लगातार उसके साथ दुष्कर्म किया गया। एक माह बाद उसके ससुर कमरे में आये और उसके साथ गलत हरकत करने की कोशिश की। साथ ही कहा कि अब उसके साथ भी रहना पड़ेगा। जब उसने विरोध किया तो वो कमरे से बाहर निकल गये। इसके बाद उसके ससुर ने दबाव बनाना शुरू किया कि वो अपनी मां से 20 हजार रुपये मांगकर लाये। प्राथमिकी के अनुसार, 8 मई को पीड़िता किसी तरह वहां से निकलकर बस से रांची आ गयी। उसने बस स्टाफ के फोन से मां से बात की। छात्रा जब रांची पहुंची तो उसकी मां उसे कांटाटोली बस स्टैंड से घर ले गयी। इसके बाद उसकी मां उसे सदर अस्पताल जांच कराने ले गयी को पता चला कि वह 4 माह की गर्भवती है।

जमीन कारोबारी सह HEC कर्मी की गोली मारकर हत्या

घटनास्थल से पिस्टल की मैगजीन बरामद

घटनास्थल पर जुटी भीड़ ● फोटोन न्यूज

CRIME REPORTER RANCHI : धुर्वा और कर्रा थाना इलाके बॉर्डर पर एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक व्यक्ति का नाम रंजीत है। वह एचइसी में काम करता था और इसके अलावे जमीन का कारोबार से जुड़ा हुआ था। मृतक व्यक्ति के सिर के पास से एक पिस्टल की एक मैग्जीन बरामद की गई है। बताया जाता है कि यह मामला आज सुबह 8 बजे की है। रंजीत अपने घर से निकल कर ऑफिस जा रहा था, उसी समय यह हादसा हुआ। फिलहाल इस पूरे मामले की जांच पुलिस कर रही है। घटना को लेकर जिले के ने बताया कि मामले में पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है। इस संबंध में मृतक के परिजनों से भी जानकारी लिया है। परिवार वालों से यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि जमीन कारोबारी सह एचईसी कर्मी का किन लोगों से और कैसा विवाद पिछले कुछ सालों में रहा है। फिलहाल इस पूरे मामले की पुलिस जांच कर रही है और जल्द ही इस हत्याकांड का खुलासा होने की संभावना है।

मेन रोड लूटकांडः अपराधियों की तस्वीर पुलिस के पास, 24 घंटे में भी नहीं हो पायी पहचान

शुक्रवार को कबाड़ी व्यवसायी से बाईक सवार अपराधियों ने लूटा था 3.50 लाख

CRIME REPORTER RANCHI : मेन रोड में दिनदहाड़े हिंदपीढ़ी के कबाड़ी व्यवसायी मो महबूब से 3.5 लाख रुपये लूट में शामिल दोनों अपराधियों का चेहरा सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। तस्वीर पुलिस के हाथ आने के बाद भी 24 घंटे में भी अपराधियों की पहचान नहीं हो पायी है। अभी तक पुलिस के हाथ खाली है। जिले की इंटेलिजेंस और तकनीकी टीम भी असफल साबित हो रहा है। इधर, लोअर बाजार थाना पुलिस इस छानबीन में लगी हुई है कि घटना को अंजाम देने वाला हिंदपीढ़ी का अपराधी था या फिर शहर के बाहर के अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है। पुलिस के अनुसार अपराधियों की पहचान के लिए आसपास के जिलों की पुलिस से भी मदद लिया जा रहा है।

घर का भेदिया हो सकता है घटना का MASTERMIND

पुलिस के अनुसार जिस प्रकार से घटना को अंजाम दिया गया है इससे प्रतीत होता है कि घटना का मास्टर माईंड व्यवसायी को जानता है। व्यवसायी कब कितना पैसा लेकर आता-जाता है पूरी जानकारी होगी। रेकी के बाद घटना को अंजाम दिया गया है। ऐसे में पुलिस कारोबारी के करीबियों पर भी नजर रखी हुई है। साथ ही, मुहल्ले के आपराधिक गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों से भी पूछताछ की जा रहा है। दूसरी ओर तकनीकी सेल घटना स्थल के आसपास काल डंप कर मोबाइल नंबर की खोज में जुटी है। आपको बता दें कि दो जून को राजधानी के लोअर बाजार थाना क्षेत्र के मेनरोड में गुरुद्वारा के पास दोपहर 2.25 बजे बाइक सवार दो अपराधियों ने बैंक में पैसा जमा करने जा रहे कबाड़ी व्यवसायी से 3.50 लाख रुपये लूट लिए। घटना को अंजाम देने के बाद जब अपराधी मौके से फरार हो रहे थे तो कुछ लोगों ने पीछा किया इसी बीच एकरा मस्जिद के पास बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गया और अपराधी पैदल ही एक कर्बला चौक की ओर और एक हिंदपीढ़ी की ओर भाग निकला। व्यवसायी सर्जना चौक स्थित एचडीएफसी बैंक से 3.50 लाख रुपए निकालकर अपनी बाइक से पैसे को बैंक आफ बड़ौदा में जमा करने जा रहा था। इसी दौरान दो अपराधियों ने उनसे पैसों भरा बैग लूट लिया और भाग गए।

सरकारी अस्पताल में जन्म लेने वाली बेटियों को मिलेगा BABY CARE KIT, 25 करोड़ आवंटित

राज्य के सरकारी अस्पतालों में करीब 6 लाख बच्चे हर साल लेते हैं जन्म

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार अपने नौनिहालों की देखभाल और उनके स्वास्थ्य को लेकर सकारात्मक पहल की है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाली बेटियों को बेबी केयर किट दिया जाएगा। राज्य में प्रत्येक साल करीब 8 लाख बच्चों का जन्म होता है, जिनमें से करीब 6 लाख बच्चे सरकारी अस्पतालों में जन्म लेते हैं। लेकिन राज्य में प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। ऐसे में राज्य के अधिकांश हिस्सों खासकर जनजातीय आबादी वाले क्षेत्रों में जन्म लेने वाले नवजात को मूलभूत सामग्रियां भी नहीं मिल पाती हैं। बेबी केयर किट की खरीदारी के लिए वित्तीय वर्ष 23-24 में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 25 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। एक किट की खरीदारी पर करीब 1500 रुपए खर्च किए जाएंगे। योजना का कार्यान्वयन प्रत्येक जिले के सिविल सर्जन के माध्यम से कराया जाएगा। बेबी केयर किट सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाली बच्चियों को ही दिया जाएगा। अनुसूचित जनजाति के नवजात को प्राथमिकता दी जाएगी। इस राशि के नियंत्री पदाधिकारी अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह होंगे।

बेबी केयर किट में मिलेंगे ये सामान

- बेबी क्लॉथ : 02
- नैपकिन : 06
- बेबी बेड : 01
- थर्मामीटर : 01
- बेबी मसाज ऑयल : 01
- मच्छरदानी : 01
- बेबी ब्लैंकेट : 02
- प्लास्टिक मैट : 01
- बेबी शैंपू : 01(60 एमएल)
- खिलौना : 01
- नेल कटर : 01
- मोजा : 02 जोड़ी
- मां के लिए लिक्विड हैंड वॉश : 01
- वुलेन स्कार्फ : 02
- बेबी बॉडी वॉश लिक्विड : 01
- किट बैग : 01

LIGHT HOUSE PROJECT

340 लाभुकों ने नहीं जमा की राशि, RMC रद करेगा आवंटन

- 30 जून तक एसजीसी मैजिक्रेट आवास कंप्लीट कर विभाग को हैंडओवर कर देगी

PHOTON NEWS RANCHI : प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत धुर्वा में बन रहा लाइट हाउस प्रोजेक्ट अंतिम चरण में है। 30 जून तक आवास बनाने वाली कंपनी एसजीसी मैजिक्रेट सभी 1008 आवास कंप्लीट कर-के नगर विकास विभाग को हैंडओवर कर देगी। लॉटरी के जरिये 1008 लोगों को आवास आवंटित हुए हैं, लेकिन इनमें से 340 लोगों ने अभी तक अपने हिस्से की राशि जमा नहीं की है। रांची नगर निगम ने 30 जून तक सभी लाभुकों को बकाया राशि जमा करने का निर्देश दिया था, लेकिन उन्होंने राशि जमा नहीं की। नगर निगम ने कहा है कि अगर जल्द ही लाभुकों ने बकाया राशि जमा नहीं की, तो उनका आवंटन रद कर दिया जाएगा। आवंटन रद होने के बाद नये लाभुकों को आवास आवंटित किया जाएगा।

पहली किस्त जमा कर गायब हो गये अधिकांश लाभुक

लाइट हाउस प्रोजेक्ट के तहत धुर्वा के आनी मौजा में पंचमुखी मैदान के पीछे लाइट हाउस बन रहा है। मई 2022 में इसका निर्माण शुरू हुआ था। लाभुकों को 5 किस्त में 6 लाख 79 हजार रुपये जमा करना है। पहली किस्त में 20 हजार रुपये लिये गये हैं। दूसरी, तीसरी, चौथी और पांचवीं किस्त में 1 लाख 63500 रुपये जमा करने हैं। 340 में से अधिकांश लाभुकों ने पहली किस्त जमा कर दी है, लेकिन बाकी किस्त की राशि जमा नहीं कर पा रहे हैं। जिन लाभुकों को बैंक से लोन मिलने में दिक्कत हो रही थी, उनकी सुविधा के लिए निगम की ओर से लोन मेला भी लगाया गया।

LOVE JIHAD : मॉडल से दुष्कर्म का आरोपी तनवीर उर्फ यश अभी तक पुलिस की पकड़ से दूर

30 मई को मॉडल ने तनवीर के खिलाफ दर्ज कराई थी शिकायत

CRIME REPORTER RANCHI : मुंबई में बिहार के भागलपुर निवासी मॉडल मानवी राज सिंह से दुष्कर्म व लव जिहाद के तहत मतांतरण कर शादी का दबाव डालने के मामले में आरोपी डोरंडा के यूनुस चौक निवासी यश उर्फ मो तनवीर अख्तर की गिरफ्तारी के लिए गोंदा थाना पुलिस एक की एक टीम लगातार विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। यद्यपि अभी तक तनवीर की गिरफ्तारी में पुलिस को सफलता नहीं मिल पायी है। पुलिस की टीम ने आरोपी के स्वजनों से भी पूछताछ की। स्वजनों ने पुलिस को बताया कि पिछले डेढ़ माह से तनवीर से कोई संपर्क नहीं है। वह देश में है या देश से बाहर फिलहाल न तो स्वजन को पता है और न ही पुलिस को। पुलिस तकनीकी सेल की मदद से तनवीर को ढूंढने में जुटी हुई है।

मॉडल के रांची आने पर होगी मेडिकल जांच : मुंबई पहुंची गोंदा थाना पुलिस की टीम ने दुष्कर्म पीड़िता मॉडल मानवी राज सिंह से पूछताछ कर बयान दर्ज कर ली है। आगे मेडिकल जांच और कोर्ट में 164 के तहत बयान दर्ज होना है। चूंकि प्राथमिकी गोंदा थाना में दर्ज हुई इस कारण मेडिकल प्रक्रिया भी रांची में ही होगी। गोंदा थाना पुलिस ने पीड़िता को रांची आने को कहा है। पीड़िता कब रांची आयेगी फिलहाल पुलिस को तिथि की जानकारी नहीं दी है। उसके रांची आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरोपी तनवीर अख्तर उर्फ यश व पिड़िता

क्या है पूरा मामला

बता दें कि उस समय सनसनी फैल गई जब मुंबई में रहने वाली बिहार के भागलपुर निवासी मॉडल मानवी राज सिंह ने 29 मई को वसोर्वा थाना पुलिस के पास तनवीर अख्तर पर लव जिहाद के तहत धर्म परिवर्तन कर जबरन शादी का दवाब डालने और पिछ्ले दो सालों से यौन शोषण का आरोप लगाया था। मॉडल के बयान पर वसोर्वा थाना पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर मामले को रांची पुलिस के पास कार्रवाई के लिए अग्रसारित कर दिया। 30 मई को राजधानी के गोंदा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई।

5 आईएएस को अतिरिक्त प्रभार

राजेश्वरी बी को JSLPS के सीईओ का मिला प्रभार

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन समिति रांची, अतिरिक्त प्रभार नागरिक सुरक्षा आयुक्त के पद पर पदस्थापित सूरज कुमार के 22 मई से 16 जून तक आयोजित एवं एमसीटी फेज 3 प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के कारण उनके आगमन तक मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी को मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी रांची तथा नागरिक सुरक्षा आयुक्त झारखंड रांची का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। निदेशक हस्तकरघा रेशम एवं हस्तशिल्प झारखंड रांची के पद पर पदस्थापित आकांक्षा रंजन अतिरिक्त प्रभार प्रबंध निदेशक झारखंड अन्वेषण एवं खनन निगम लिमिटेड रांची तथा प्रबंध निदेशक झारक्राफ्ट रांची के एमसीटी ट्रेनिंग में जाने की वजह से इनके प्रशिक्षण से वापस लौटने की अवधि तक अजय कुमार सिंह क्षेत्रीय निदेशक झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार रांची क्षेत्र को अपने कार्यों के साथ निदेशक हस्तकरघा रेशम, हस्तशिल्प झारखंड रांची प्रबंध निदेशक झारखंड अन्वेषण एवं खनन निगम लिमिटेड तथा प्रबंध निदेशक झारखंड का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। निदेशक नगरीय प्रशासन नगर विकास एवं आवास विभाग के पद पर पदस्थापित आदित्य कुमार आनंद के प्रशिक्षण से वापस लौटने अवधि तक अपर सचिव नगर विकास विभाग मनोहर मरांडी को अपने कार्यों के साथ निदेशक नगरीय प्रशासन नगर विकास विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। उपायुक्त गोड्डा के पद पर पदस्थापित जीशान कमर के प्रशिक्षण में जाने की वजह से उनके स्थान पर रवि शंकर शुक्ला उपायुक्त दुमका को अपने कार्यों के साथ उपायुक्त गोड्डा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। निबंधक सहयोग समितियां झारखंड रांची के पद पर पदस्थापित मृत्युंजय कुमार बरनवाल के प्रशिक्षण में जाने की वजह से उनके वापस लौटने की अवधि तक चंदन कुमार निदेशक कृषि को अपने कार्यों के साथ निबंधक सहयोग समितियां झारखंड रांची का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

562564 विद्यार्थियों ने कराया था रजिस्ट्रेशन, 515688 बच्चे परीक्षा हुए पास, 26298 स्टूडेंट्स फेल, कोडरमा का रिजल्ट सबसे बेहतर, गुमला रहा सबसे पीछे

JAC ने जारी किया आठवीं का RESULT, 94.94 फीसदी बच्चे हुए पास

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने शनिवार को आठवीं बोर्ड का रिजल्ट जारी कर दिया है। इस परिणाम में भी कोडरमा जिला आगे रहा है। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए 562564 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिसमें 543164 स्टूडेंट्स परीक्षा में शामिल हुए। 515688 बच्चे परीक्षा पास हुए हैं जबकि 26298 स्टूडेंट्स फेल भी हुए हैं। आठवीं की परीक्षा का परिणाम 94.94 फीसदी रहा है। आठवीं के परिणाम में कोडरमा जिला बेहतर रहा है। शीर्ष पांच जिले की बात करें तो इसमें कोडरमा के बाद हजारीबाग, गोड्डा, चतरा और पलामू के नाम शामिल हैं। कोडरमा से 15510 बच्चे रजिस्ट्रेशन कराए थे, जिसमें 15186 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए। 14920 बच्चों ने परीक्षा पास की। जिले का पासिंग परसेंटेज 98.25 रहा। इसी तरह हजारीबाग की बात करें तो जिले से 29822 बच्चों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। 29342 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए। 287005 बच्चे परीक्षा पास किया। जिले का पासिंग परसेंटेज 97.83 रहा। गोड्डा से 24687 बच्चे रजिस्ट्रेशन कराए। 23632 परीक्षा में बैठे। 23104 बच्चों ने परीक्षा पास की। जिले का पासिंग परसेंटेज 97.77 है। चौथे नंबर पर चतरा जिला है। जहां से 22480 बच्चे रजिस्ट्रेशन कराया है। 21679 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए। 21077 बच्चे परीक्षा पास की है। जिले का पासिंग परसेंटेज 97.22 रहा। पांचवें नंबर पलामू जिला से 38860 बच्चे रजिस्ट्रेशन कराए। 3784 परीक्षा में शामिल हुए। 3632 बच्चे परीक्षा पास किए। जिले का पासिंग परसेंटेज 96.95 रहा।

इस परिणाम में गुमला जिला सबसे पीछे है। यहां से 18945 स्टूडेंट परीक्षा में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन कराए थे, जिसमें 18450 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए। 16357 बच्चे परीक्षा पास किया। जिले का पासिंग परसेंटेज 88.66 है। दूसरे नंबर पर लोहरदगा जिला है। यहां से 9450 बच्चे परीक्षा में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। 9227 बच्चे परीक्षा में शामिल हुए। 8330 बच्चे परीक्षा पास किया। 90.28 प्रतिशत जिले का रिजल्ट रहा। पाकुड़ से 14186 बच्चे रजिस्ट्रेशन कराया। 13177 बच्चे शामिल हुए। 11920 बच्चों ने परीक्षा पास की। जिले का पासिंग

अन्य जिलों का पासिंग परसेंटेज

- सरायकेला खरसावा : 96.88
- गिरिडीह 96.24
- रांची : 96.15
- गढ़वा : 96.14
- धनबाद 95.99
- रामगढ़ : 95.89
- बोकारो: 94.86
- दुमका : 94.72
- पूर्वी सिंहभूम 94.35
- देवघर : 93.46
- सिमडेगा : 92.92
- जामताड़ा : 92.24
- पश्चिमी सिंहभूम : 92.14
- साहिबगंज: 92.07

अरविंद केजरीवाल के बयान पर कांग्रेस तल्ख, कहा

थोड़ा इंतजार करें, हमने देश बनाया इसे संवारने की जिम्मेदारी भी हमारी

PHOTON NEWS RANCHI : दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस यह तय करे कि वह लोकतंत्र के साथ है या मोदी जी के साथ। इसपर कांग्रेस ने तल्ख प्रतिक्रिया व्यक्त की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने पलटवार करते हुए कहा कि थोड़ा इंतजार कीजिए। जब चर्चा होगी तो निर्णय करेंगे। इसका मतलब यह कतई नहीं कि अध्यादेश के खिलाफ हम नहीं तो मोदी के साथ हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश को बनाया है। इसे संवारने की जिम्मेदारी भी हमारी है। इसपर इतना जल्दबाजी दिखाने की आवश्यकता नहीं है।

इधर, अरविंद केजरीवाल के झारखंड आने पर भाजपा में खलबली दिखाई दे रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब

के मुख्यमंत्री भगवंत मान के आगमन पर तंज कसा है। उन्होंने इसे भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों का जमावड़ा बताया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के आने से भगवान बिरसा की धरती अपवित्र हो गई है। देशभर में भ्रष्टाचार के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई बढ़ी है। इसके कारण भ्रष्टाचारी और उनके संरक्षक बेचैन हैं।

दीपक प्रकाश ने कहा- भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन करने वालों की पोल खुल चुकी है। अन्ना हजारे के आदर्शों को ठेंगा दिखाने वाली आप पार्टी के सरकारों की कथनी और करनी का अंतर उजागर हो चुका है। शराब घोटाले में केजरीवाल सरकार के मंत्री रहे मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन जेल में कैद हैं। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री का चरित्र जगजाहिर है। पंजाब में डेढ़ वर्षों में ही दो मंत्री विजय सिंगला, सौजा सिंह को भ्रष्टाचार के आरोप में भाजपा के आंदोलन पर बर्खास्त करना पड़ा है।

BRIEF NEWS

केंद्र सरकार महिलाओं के मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है : नीतू देवी

RANCHI : रांची महानगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष नीतू देवी ने कहा कि विगत चार माह से देश की होनहार बेटियां दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रही है। सभी भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है लेकिन केंद्र सरकार महिलाओं के मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है। वे शनिवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता में बोल रही थीं। नीतू देवी ने कहा कि महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेटा डिसूजा के निर्देश पर देश और प्रदेश में महिला कांग्रेस पहलवानों के आंदोलन के पहले ही दिन से ही उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि 28 मई को नये संसद भवन के उद्घाटन के दौरान दिल्ली पुलिस ने गृहमंत्री के इशारे पर बर्बरता पूर्वक पहलवान बेटियों के आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया। हम उसका पुरजोर विरोध करते है। उन्होंने कहा कि देश की बेटियों की इज्जत और अस्मिता को बचाने के लिए हम सभी को अपना योगदान देना है ताकि इन बहादूर बेटियों को न्याय मिल सके। प्रेस कांफ्रेंस में रेशमा गुलशन, सबीना खातून सहित अन्य मौजूद थे।

Palamu में पांच सौ लोगों ने JMM की सदस्यता ग्रहण की

'सदस्यता अभियान में शामिल जेएमएम के पदाधिकारी। ● द फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : झारखंड मुक्ति मोर्चा की पलामू इकाई के तत्वावधान में शनिवार से सदस्यता अभियान की शुरूआत हो गई। पहले दिन स्थानीय छह मुहान पर कैंप लगाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने किया।

झामुमो के सभी नेताओं और कार्यकताओं ने सबसे पहले उड़ीसा में हुई रेल दुर्घटना के मृतकों के प्रति संवेदना जताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। संचालन सन्नू सिद्दिकी ने किया। लगभग पांच सौ लोगों ने मुख्यमंत्री की जन कल्याण नीतियों से प्रभावित होकर झामुमो की सदस्यता ग्रहण की।

मौके पर जिला अध्यक्ष ने कहा आज से पलामू में झामुमो का सदस्यता अभियान शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की लोकप्रियता, उनके लिए गए फैसले के कारण जनता बहुत तेजी से झामुमो परिवार में शामिल हो रही है। सदस्यता प्रभारी रमेश सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य डेढ़ लाख नए सदस्य बनाने का है। पलामू को तीन जोन में बांट कर सभी जोन और प्रखंडों में प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। हर घर तक सदस्यता अभियान को चलाने के लिए झामुमो के सभी नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता कमर कसकर लगे हुए हैं।

इस मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य संजीव तिवारी, सुनील तिवारी, मनोज गुप्ता, गोपाल सिन्हा, उपाध्यक्ष राजेश सिन्हा, कमाल खान, बालकिशुन उरांव, झामुमो नेता अविनाश देव, युवा नेता सन्नी शुक्ला समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पत्नी से मिलने के बाद सिसोदिया को वापस ले गई पुलिस, तिहाड़ जेल से घर पहुंचे थे AAP नेता

PHOTON NEWS NAI DELHI : दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की पत्नी की तबीयत बिगड़ गई है। मनीष सिसोदिया की पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, कोर्ट ने सिसोदिया को शुक्रवार को कुछ घंटे के लिए अंतरिम राहत दी है। सिसोदिया पुलिस हिरासत में अपनी पत्नी से मिलने पहुंचे हैं।

जानकारी के अनुसार, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की पत्नी की तबीयत खराब चल रही है। पत्नी से मुलाकात के लिए कोर्ट ने सिसोदिया को राहत दी, लेकिन उनके घर पहुंचने से पहले ही पत्नी को दिल्ली के लोकनायक (छठखढ) हॉस्पिटल में एडमिट कराना पड़ गया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने मनीष सिसोदिया को आज सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अपनी बीमार पत्नी से मिलने के लिए इजाजत दी थी। कोर्ट ने शर्त रखी कि सिसोदिया अंतरिम जमानत के दौरान मीडिया से बात नहीं करेंगे।

'जेल के बाहर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते सिसोदिया। ● द फोटोन न्यूज

परिवार के अलावा किसी से बात नहीं करेंगे। मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं करेंगे। बता दें कि सिसोदिया ने पत्नी की खराब सेहत का हवाला देते हुए 6 हफ्ते की अंतरिम जमानत की मांग की थी। लेकिन एऊने अंतरिम जमानत अर्जी का विरोध किया था। ईडी ने कहा था कि कुछ दिन पहले ही वो अंतरिम जमानत की अर्जी को वापस ले चुके हैं। अब फिर से उसी आधार पर अंतरिम जमानत मांग रहे हैं। जांच एजेंसी की ओर से कहा गया कि सिसोदिया पुलिस की मौजदूगी में पत्नी से मुलाकात कर सकते हैं। लेकिन मनीष सिसोदिया के घर पहुंचने से पहले ही उनकी पत्नी की तबीयत बिगड़ गई।

मनीष सिसोदिया को वापस तिहाड़ जेल ले गई पुलिस : पत्नी की तबीयत खराब होने के कारण कोर्ट से मिली 8 घंटे की बेल का पूरा समय बिताने के बाद आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को वापस तिहाड़ जेल ले गई।

न्यूरोलॉजी विभाग में डॉक्टरों की निगरानी में हैं सिसोदिया की पत्नी : अस्पताल सूत्रों के अनुसार दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की पत्नी लोकनायक अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभाग में डॉक्टरों की निगरानी में भर्ती हैं। शाम की जांच के बाद डॉक्टर ने उनकी हालत स्थिर बताई हैं।

आदिवासी सरना विकास समिति की पहल सराहनीय : दीपक प्रकाश

RANCHI : आदिवासी सरना विकास समिति धुर्वा के अध्यक्ष मेघा उरांव की ओर से शनिवार को सामूहिक आदर्श विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वैवाहिक समारोह में आठ जोड़े दाम्पत्य बंधन में बंधे। इस समारोह में वैवाहिक जोड़ों के साथ साथ उनके सगे संबंधी एवम परिजन भी उपस्थित रहे। समारोह में मुख्य रूप से प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह राज्य सभा सांसद दीपक प्रकाश एवं प्रदेश भाजपा के मंत्री सुबोध कुमार सिंह गुड्डू उपस्थित थे। विवाह संपन्न होने के पश्चात सभी जोड़ों में विवाह प्रमाण पत्र वितरित किया गया। दीपक प्रकाश ने वैवाहिक बंधन में बंधे जोड़ों को उनके सफल दांपत्य जीवन के लिए मंगलकामनाएं बधाई देते हुए कहा कि जनजातीय समाज द्वारा यह पहल अपने आप में एक उदाहरण है। समाज में हो रहे बदलाव एवं जागरुकता का परिचायक है। यह सामूहिक विवाह कार्यक्रम समाज में जागरूकता फैलाने की दिशा में उदाहरण बनेगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से पंकज शाहदेव, धुर्वा मण्डल भाजपा अध्यक्ष उमेश यादव सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने की तैयारी शुरू : देवेंद्र फडणवीस

MUMBAI : उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य में लव जिहाद के खिलाफ राज्य सरकार लव कानून बनाने पर विचार कर रही है। इस मुद्दे पर राज्य सरकार अन्य राज्यों में लव जिहाद के विरुद्ध बने कानूनों का अध्ययन कर रही है। फडणवीस ने पुणे में पत्रकारों को बताया कि राज्य में महिलाओं के गायब होने की बहुत सी शिकायतें आ रही है। लापता महिलाओं की शिकायतों के प्रति हम बेहद संवेदनशील हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो गुमशुदा महिलाओं के मामले में बरगलाकर दूसरे धर्म की महिलाओं के साथ शादी करने वाली महिलाओं की संख्या अधिक है। फडणवीस ने कहा कि दूसरे धर्म के व्यक्ति से शादी करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए लेकिन शादी सुदा व्यक्ति अपनी पहचान छिपाकर दूसरे धर्म की महिलाओं से शादी कर रहे हैं और बाद में महिला की जिंदगी नरक से भी बदतर हो जाती है। इसी वजह से सरकार इस मामले को लेकर संवेदनशील है।

देश के अंदर खेल, प्रतिस्पर्धा नई ऊंचाई पर: योगी आदित्यनाथ

VARANASI : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार शाम खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का जमकर उत्साहवर्धन किया। आईआईटी बीएचयू के टेक्नो पवेलियन ग्राउंड पर आयोजित समापन समारोह में मुख्यमंत्री ने ओडिशा के बालासोर में हुई ट्रेन हादसे में मृत यात्रियों के परिवार के प्रति शोक संवेदना जताई और श्रद्धांजलि देकर घायल यात्रियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता में शामिल 108 विश्वविद्यालयों के खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन की बधाई देते हुए कहा कि देश के अंदर खेल, प्रतिस्पर्धा नई ऊंचाई पर जा रही है। समारोह में मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ विजेता टीम का सम्मान करने के बाद उन्हें पदक भी प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 9 साल में खिलाड़ियों की सहभागिता बढ़ी है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स हो या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता हो। प्रदेश में खेल विभाग के माध्यम से बहुत काम हो रहा है। गांव से लेकर शहर ओपन जिम और स्टेडियम आदि बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जमकर प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश को खेल की मेजबानी मिलने पर प्रधानमंत्री का आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता के बारे में वह जनप्रतिनिधियों से जानकारी लेते रहे। खेल के प्रति लोगों में सकारात्मक भाव रहा। समापन समारोह में शामिल केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप खेलो इंडिया अभियान ने एक क्रांति का रूप ले लिया है। खेलो इंडिया गेम्स एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना से आयोजित किए जाता है। जहां विविध पृष्ठभूमि के एथलीट भाग लेते हैं और एक मंच पर अपनी विविधता साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह खेल की उत्कृष्टता और राष्ट्र की सेवा में अनुशासित, समर्पित तथा कर्तव्य केंद्रित युवाओं के निर्माण से संबंधित है। खेल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स खेलों में देश के अंदर प्रतिभा की पहचान का सबसे बड़ा मंच बन गया है। खेल मंत्री ने बताया कि इस प्रतियोगिता में पहले स्थान पर पंजाब यूनिवर्सिटी, दूसरे स्थान पर गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी - अमृतसर और तीसरे स्थान पर कर्नाटक की जैन यूनिवर्सिटी रही।

ईडी के द्वारा छत्तीसगढ़, झारखंड के मुख्यमंत्रियों के नाम लेने का दबाव का आरोप बेहद गंभीर : कांग्रेस

RAIPUR : मुख्यमंत्री और सरकार की छवि खराब करने ईडी षडयंत्र कर रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने शनिवार को बयान जारी कर कहा कि ईडी द्वारा गिरफ्तार व्यवसायी अनवर ढेबर के बाद ईडी द्वारा गिरफ्तार किये गये अधिकारी एपी त्रिपाठी ने भी अदालत से कहा कि ईडी छत्तीसगढ़ और झारखंड के मुख्यमंत्री तथा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के बेटे का नाम का नाम लेने के लिये दबाव बना रही है। एक अन्य आरोपित पप्पू ढिल्लन ने भी अदालत में आवेदन देकर इसी प्रकार की बात कही है कि ईडी मुझ पर मुख्यमंत्री के बेटे का नाम लेने दबाव बना रही है। ईडी पर लगे यह आरोप बेहद ही गंभीर है। इन आरोपितों के द्वारा अदालत में किया गया खुलासा इस बात का प्रणाम है कि केन्द्र सरकार ने मुख्यमंत्री भूपेश और उनकी सरकार को बदनाम करने परेशान करने की नीयत से ईडी को भेजकर गलत छापेमारी की कार्रवाई करवाई गयी है।

जदयू को झारखंड में अच्छे परिणाम की उम्मीद, प्रदेश प्रभारी बोले

संगठन मजबूत होने पर ही सहयोगी दलों से होगी बात

PHOTON NEWS RANCHI : बिहार के भवन निर्माण मंत्री सह झारखंड जदयू के नये प्रभारी अशोक चौधरी का कहना है कि अभी झारखंड में पार्टी संगठन की स्थिति अच्छी नहीं है। इसके पीछे क्या कारण रहे, इस पर चर्चा का समय नहीं है। लेकिन, झारखंड में जदयू का इतिहास अच्छा रहा है। यहां अच्छे प्रदर्शन की संभावना है। इसके लिए काम होगा। असर भी जल्द दिखेगा। जब हम संगठन को मजबूत करेंगे, तब तो सहयोगी दलों से बात कर पायेंगे।

जब तक हमारे पास पांच-सात फीसदी वोट नहीं होगा, तो सहयोगी दल हमें क्यों तरजीह देंगे। जब उनको लगेगा कि हम खेल बना या बिगाड़ सकते हैं,

तभी तो पूछेंगे। श्री चौधरी झारखंड दौरे पर हैं। शुक्रवार को प्रभात खबर ने उनसे विशेष बातचीत की। श्री चौधरी ने कहा कि झारखंड में जदयू को मजबूत करना एक चुनौती है। लड़ाई का मजा तभी आता है, जब लड़नेवाला मजबूत हो। यहां जल्द ही जदयू खुद को संगठित कर परिणाम देने लायक हो जायेगा।

ट्रेन हादसे के दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करे केंद्र सरकार : राजेश ठाकुर

RANCHI : ओडिशा में बालासोर में तीन ट्रेनों की भीषण टक्कर में यात्रियों की मौत पर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने गहरा शोक संवेदना प्रकट किया है। साथ ही मृतकों के आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि रेल हादसे में जो भी यात्रियों की मृत्यु हुई है उनके परिवार के साथ पूरा कांग्रेस परिवार संवेदना व्यक्त करता है एवं इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि भविष्य में इस तरह की दुर्घटना न घटे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि केन्द्र सरकार इस घटना को गंभीरता से लेते हुए दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करे और इस घटना की जिम्मेवारी रेल मंत्री स्वयं लें।

PM उम्मीदवार बने नीतीश कुमार तो जरूर देंगे साथ : मुकेश सहनी

PHOTON NEWS SEKHPURA : शेखपुरा के बरबीघा के पटेल नगर में एक निजी समारोह में शामिल होने के लिए आए वीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश सहनी ने बड़ी बात कह दी।

शुक्रवार की देर रात्रि उन्होंने कहा कि बिहार का बेटा यदि भारत का प्रधानमंत्री बनता है तो उनके लिए खुशी की बात है। ऐसे में यदि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार होते हैं तो निश्चित रूप से उनका समर्थन किया जाएगा। मुकेश सहनी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक चौहान के माता के निधन पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे।

समाज के आरक्षण को लेकर मुकेश सहनी ने दिया बयान : इस मौके पर उन्होंने कहा कि उनके समाज के लोगों को उपेक्षित रखा गया है। प्रधानमंत्री पद के जो उम्मीदवार होंगे वह उनके पीछे आएंगे। वोट बैंक उनके पास है।

साथ ही कहा कि बंगाल में उनके समाज को आरक्षण मिल रहा है यूपी-बिहार में नहीं।

उन्होंने कहा कि बिहार का बेटा प्रधानमंत्री के उम्मीदवार होने के लिए काम कर रहे हैं तो यह बेहतर बात है। सबको खुशी होगी। अब यह निर्भर करता है कि नीतीश कुमार कैसे अपनी रणनीति को बनाते हैं । यदि प्रधानमंत्री के उम्मीदवार होंगे तो एक बिहारी के नाते उन्हें भी खुशी होगी और उनका भी समर्थन रहेगा।

पिछड़ा वर्ग के लिए काम कर रही है बिहार सरकार : मंत्री अनिता देवी : बिहार सरकार में पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री अनीता देवी बरबीघा के एक निजी समारोह में पहुंची । इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग के कल्याण को लेकर विभिन्न तरह के योजनाओं पर बिहार सरकार काम कर रही है। सभी जिला में इस वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास का निर्माण के साथ-साथ सभी जिले में पिछड़ा, अति पिछड़ा वर्ग के बच्चों को उच्च स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए निशुल्क कोचिंग की व्यवस्था जिला मुख्यालय में ही की गई है जिससे समाज के लोगों का विकास हो रहा है।

सात दिन के प्रशिक्षण में बहनों को उनके गुण, क्षमता, बौद्धिक, शारीरिक, आत्मरक्षा, स्वावलंबी प्रशिक्षण मिलेगा

जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है : जगन्नाथ शाही

PHOTON NEWS RANCHI : धुर्वा स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में विश्व हिंदू परिषद की महिला युवा शाखा दुर्गा वाहिनी का सात दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का शनिवार को शुभारंभ हुआ। वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते विहिप के केंद्रीय प्रन्यासी मंडल के सदस्य जगन्नाथ शाही ने कहा कि संपूर्ण विश्व का ज्ञान - विज्ञान का केंद्र भारत था। मुस्लिम आक्रांताओं ने नालंदा, तक्षशिला जैसे अनेकों विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में संग्रहित ज्ञान-विज्ञान के धरोहर को जलाकर भस्म कर दिया।

उन्होंने कहा भारत सदैव से अजैय रहा है। उन्होंने कहा हमारा

विश्व हिंदू परिषद दुर्गावाहिनी के प्रशिक्षण वर्ग में शामिल लोग। ● द फोटोन न्यूज

बोध वाक्य धर्मो रक्षति रक्षितः है अर्थात धर्म की रक्षा जो करता है धर्म उसकी रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम आक्रांताओं एवं ईसाई अंग्रेज भारत को पराधीन बनाने का कार्य करते रहा, परंतु संपूर्ण भारत में कभी भी वह साम्राज्य स्थापित नहीं कर पाया। उन्होंने कहा भारत का इतिहास शौर्य एवं पराक्रम का इतिहास है जिसे मुस्लिम-अंग्रेज इतिहासकारों ने भारत के शौर्य का इतिहास को पराजय का इतिहास बना दिया है। सम्राट विक्रमादित्य, महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान, शिवाजी महाराज, गुरु गोविंद सिंह जैसे वीर योद्धा कभी पराजित नहीं हुए परंतु उनके शौर्य गाथाओं को इतिहास के पन्नों में स्थान नहीं दिया गया।

उन्होंने कहा विश्व हिंदू परिषद का साध्य है। धर्माधिष्ठित भारतीय संस्कृति के आधार पर अजेय विश्वव्यापी हिंदू समाज के संगठन का निर्माण करना है, जिससे विश्वकल्याण का पथ प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा सात दिन के प्रशिक्षण में बहनों को उनके गुण, क्षमता, बौद्धिक, शारीरिक, आत्मरक्षा, स्वावलंबी आदि के विकास का प्रशिक्षण चलेगा।

उद्घाटन सत्र में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री डॉ वीरेंद्र साहू, प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह, सहमंत्री रंगनाथ महतो, मातृशक्ति प्रांत प्रमुख दीपारानी कुंज, दुगार्वाहिनी प्रांत संयोजिका अनुराधा कच्छप, प्रांत सामाजिक समरसता प्रमुख मिथिलेश्वर मिश्र, मार्गदर्शक मंडल प्रांत संयोजक कृष्ण चैतन्य ब्रह्मचारी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

BRIEF NEWS

हथियार चलाने की बारीकियों से रूबरू हुए एनसीसी कैडेट

Jamshedpur: 37 झारखंड बटालियन एनसीसी, जमशेदपुर के द्वारा 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-' जमशेदपुर को ऑपरेटिव कॉलेज में चल रहा है।। इस कैंप के तीसरे दिन 3 जून को हथियार प्रशिक्षण के साथ-साथ सारे कैडेटों को शूटिंग कराई गई। जिससे इनकी साहस अहमद बरकरार रहे। कैंप के दौरान एड्स एवं नशा मुक्ति को लेकर सदर अस्पताल के सीएमओ डॉ दीपक कुमार गिरी और डॉ रामचंद्र सिंह एवं उनके सहयोगी सदस्यों की ओर से प्रकाश डाला गया। डॉक्टर दीपक कुमारगिरी ने एनसीसी कैडेटों को समाज मैं फैला नशीली पदार्थों का सेवन पर रोकथाम और इसका निवारण पर जोर डाला जिससे यह नशा मुक्त सामाज और राष्ट्र का निर्माण करने में अपनी भूमिका को अदा कर सकें।
इस जागरूकता कार्यक्रम को लेकर 37 झारखंड बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव मिश्रा ने सदर अस्पताल के सीएमओ एवं उनके सदस्यों धन्यवाद एवं आभार जताया।

माता समिति संघ ने श्राद्धकर्म के लिए किया आर्थिक सहयोग

Jamshedpur: डुमरिया प्रखंड अंतर्गत धोलाबेड़ा के माता समिति सदस्य दुली सोरेन के पति के श्राद्धकर्म के लिए माता समिति संघ ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया. दुली सोरेन के पति का निधन कुछ दिन पूर्व हो गया था. माता समिति सदस्यों द्वारा इसके लिए आपस में चंदा करते हुए रकम जुटाई गई. इस मौके पर संघ की अध्यक्ष रानी मुर्मू, जावना टुडू, मेहंदी सोरेन छिता मुर्मू, सुराई मार्डी, राम मुर्मू, लुगू सोरेन आदि उपस्थित थे.

खोड़ी पहाड़ी को पर्यटक स्थल बनाने की कवायद शुरू

Jamshedpur: चाकुलिया प्रखंड स्थित जुगीतोपा पंचायत के खोड़ीपाहाड़ी पहाड़ को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा. इसे लेकर कवायद तेज हो गई है. शनिवार को विधायक समीर महंती एवं रेंजर दिग्विजय सिंह ने उक्त स्थल का निरीक्षण किया. निरीक्षण करने के दौरान विधायक ने रेंजर को जल्द ही खोड़ी पहाड़ी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की बात कही.

PICKUP VAN के धक्के से पुत्र की मौत, पिता घायल

दुर्घटना के बाद वैन के चालक को ग्रामीणों ने पकड़ा, किया सड़क जाम

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:
बहरागोड़ा के बरसोल थाना अंतर्गत माटिहाना-चाकुलिया मुख्य सड़क पर शनिवार को भूतिया पंचायत भवन के पास शनिवार की दोपहर एक पिकअप वैन (डब्ल्यूबी झ्र 33 सी 9203) ने कान्हू मुर्मू (45 वर्ष) और उसके पुत्र बादल मुर्मू (12 वर्ष) को धक्का मार दिया. इससे दुर्घटना स्थल पर ही पुत्र की मौत हो गई और पिता गंभीर रूप से घायल हो गया. पिता और पुत्र साइकिल से बहरागोड़ा से पाथरा अपने घर जा रहे थे. धक्का मारने के बाद पिकअप वैन सड़क पर

सड़क पर पलटा पिकअप वैन • फोटोन न्यूज

पलट गया. वैन चालक संदीप दास भी आंशिक रूप से घायल हो गया है. ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया है. आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क को जाम कर दिया है. इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई है. जानकारी के मुताबिक उक्त पिकअप वैन चाकुलिया से बहरागोड़ा की ओर जा रहा था. सूचना पाकर बरसोल पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है. घायल पिता को पुलिस वाहन से बहरागोड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई है. स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने इलाज के लिए रेफर कर दिया है. कुछ देर बाद 108 एंबुलेंस बादल मुर्मू की लाश को ले जाने के लिए घटनास्थल पर पहुंची. पुलिस के समझाने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने लाश पोस्टमार्टम के लिए ले जाने दिया. इस दौरान जोरदार बारिश हो रही है. घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई है. ग्रामीण मुआवजे की मांग पर अड़े हुए हैं.

बिरसानगर में लूटी हुई स्कूटी के साथ दो किए गए गिरफ्तार

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:
बिरसानगर पुलिस ने लूटी हुई स्कूटी के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में बिरसानगर जोन नंबर 1 निवासी रोहित करुवा उर्फ करछू और जोन नंबर 6 निवासी अजय मुखी उर्फ बड़का शामिल है. पुलिस ने आरोपियों के पास से स्कूटी भी बरामद किया है. जानकारी देते हुए थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि शुक्रवार देर शाम एसआई नवल किशोर दास गश्ती पर थे.
जोन नंबर 1 बी दासपाड़ा के पास दो युवक स्कूटी को धक्का मारकर ले जा रहे थे. शक होने पर नवल किशोर उनके पस गए तो दोनों स्कूटी छोड़कर भागने लगे. पुलिस ने दोनों को खदेड़कर पकड़ा और पूछताछ शुरू की.
दोनों ने स्कूटी लूट की होने की

पुलिस पदाधिकारियों के पीछे खड़े अभियुक्त • फोटोन न्यूज

बात कबूल की. थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ में दोनों ने बताया कि बीते दिनों टेल्को के खड़ंगाझार में स्कूटी लूटी थी. आज स्कूटी में तेल खत्म हो गया था तो उसे धक्का मारकर ले जा रहे थे. प्रभात कुमार ने बताया कि दोनों का अपराधिक इतिहास रहा है और दोनों पूर्व में भी जेल जा चुके है.

भाखर के ग्रामीणों ने श्रमदान कर कुएं की मरम्मत की

कुएं की मरम्मत करते ग्रामीण • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:
गुड़ाबांदा प्रखंड की सिंहपुरा पंचायत अंतर्गत भाखर गांव में ग्रामीणों ने शनिवार को श्रमदान से कुआं की मरम्मत की. इस क्षेत्र में ग्रामीण भीषण पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं. चापाकल भी आसपास मौजूद नहीं है. पेयजल के लिए ग्रामीणों को लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है. इससे परेशान ग्रामीणों ने पेयजल की व्यवस्था करने के लिए श्रमदान से कुंआ की मरम्मत करने का निर्णय लिया. इस मौके पर अरुण नायक, वरुण नायक, गुरुचरण नायक, श्यामलाल नायक, कमल नायक, टिंकू नायक, किस्टोपदो नायक आदि ग्रामीण उपस्थित थे.

ओडिशा रेल दुर्घटना के कारण 65 ट्रेनें रद्द 42 के रूट बदले

Jamshedpur: ओडिशा के बहंगा बाजार स्टेशन के पास शुक्रवार शाम हुए रेल हादसे में मृतकों की संख्या 300 तक पहुंच गई है, वहीं 1000 से ज्यादा यात्री घायल हैं. रेलवे की ओर से राहत कार्य जारी है. इधर, रेलवे की ओर से अब तक इस रूट से होकर चलने वाली 65 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है. वहीं 42 ट्रेनों के रूट को बदलकर चलाया जा रहा है. इसके अलावा नौ ट्रेनों को शॉर्ट-टर्मिनेट किया गया है जबकि एक ट्रेन के समय में बदलाव किया गया है.

समस्याओं को लेकर कुणाल षाड़ंगी से मिले इंटरमीडिएट के शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:
जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी समेत अन्य कॉलेजों में इंटरमीडिएट सेक्शन में सेवा दे रहे शिक्षक-शिक्षिकाओं व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने पूर्व विधायक व भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने श्री षाड़ंगी को एक ज्ञापन सौंपा. साथ ही पिछले दिनों उपायुक्त को सौंपे गये ज्ञापन का हवाला देते हुए डिग्री कॉलेज या यूनिवर्सिटी से इंटरमीडिएट की पढ़ाई बंद करने की स्थिति में अन्य समायोजित करने की दिशा में सहयोग का आग्रह किया. शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बताया कि श्री षाड़ंगी को पिछले वर्ष तत्कालीन उपायुक्त सूरज कुमार के द्वारा दिये गये निर्देश से भी अवगत कराया गया. तत्कालीन उपायुक्त सूरज

कुणाल षाड़ंगी को ज्ञापन सौंपते शिक्षक व शिक्षिकाएं • फोटोन न्यूज

कुमार ने जमशेदपुर वीमेंस विश्वविद्यालय प्रशासन को शिक्षक-शिक्षिकाओं व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का अन्यत्र समायोजन कराने का निर्देश दिया था, ताकि उनके समक्ष बेरोजगारी की स्थिति उत्पन्न न हो.
उन्होंने श्री षाड़ंगी से कहा कि रांची विश्वविद्यालय में इंटरमीडिएट में एडमिशन लेने का निर्णय ले लिया है. इस संबंध में एक-दो दिन में अधिसूचना भी जारी होने की संभावना है. यथासंभव कोल्हान विश्वविद्यालय की ओर से भी इंटरमीडिएट में एडमिशन की अनुमति दे दी जाये. लेकिन कोल्हान अथवा वीमेंस यूनिवर्सिटी में यदि ऐसा नहीं होता है, तो विद्यार्थियों को तो कहीं न कहीं समायोजित कर ही दिया जायेगा, लेकिन शिक्षक-शिक्षिकाओं और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का क्या होगा. अतः शिक्षक-शिक्षिकाओं और शिक्षकेत्तर कर्मचारियो के समायोजन की भी व्यवस्था की जाये. शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बताया कि श्री षाड़ंगी ने उनकी इस समस्या के समाधान की दिशा में यथासंभव सहयोग एवं अपने स्तर से प्रयास करने का आश्वासन दिया है. श्री षाड़ंगी से मिलने वालों में साधना कुमारी झा, सीमा सिंह, सुमिता कुमारी दास, आशा राय, अनिमेष कुमार बख्शी, धर्मेंद्र कुमार, तारा कुमारी व अन्य शामिल थे.

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा की तिथि घोषित की, 25 जून को होगी परीक्षा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:
वीमेंस यूनिवर्सिटी ने शैक्षणिक सत्र 2023 के लिए पीएचडी प्रवेश परीक्षा की समय सारणी घोषित कर दी है। कुलपति प्रो.(डॉ.) अंजिला गुप्ता ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा को संपन्न कराने के लिए गठित समिति और परीक्षा विभाग को बधाई देते हुए शोध केंद्रीत संस्थान के लक्ष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। उनके अनुसार यह यूजीसी के वर्तमान प्रावधानों के अनुरूप यूनिवर्सिटी की पहली पीएचडी प्रवेश परीक्षा होगी तथा क्षेत्र विशेष की छात्राओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शोध का प्रथम चरण है। उन्होंने बताया कि वे सभी छात्राएं प्रथम जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी रिसर्च एंट्रेंस टेस्ट - जेडब्ल्यूआरईटी 2023 में शामिल

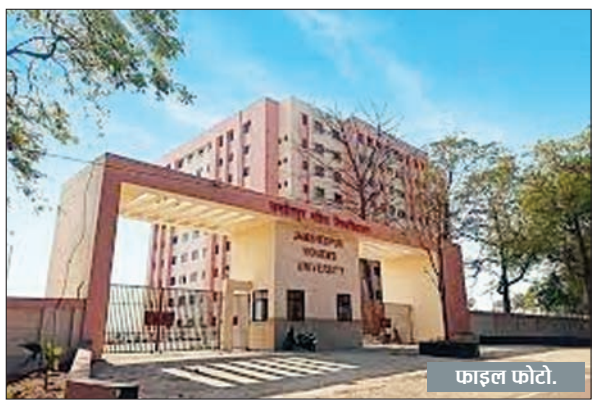

फाइल फोटो.

हो पाएंगीं, जिन्होंने निर्धारित तिथि तक इसके लिए आवेदन किया था।
विदित हो कि जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी, जमशेदपुर द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की वर्तमान नियमावली के अनुसार तय मानकों का अनुपालन करते हुए योग्यताधारी छात्राओं एवं प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए इच्छुक महिला उम्मीदवारों से 20 अप्रैल, 2023 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया था। विश्वविद्यालय में अलग-अलग स्नातकोत्तर विभागोंझ्र अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, हिंदी, गृह विज्ञान, संगीत, उड़िया, राजनीति विज्ञान, उर्दू, वाणिज्य, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित विषय के अंतर्गत पीएचडी में पंजीकरण हेतु यह परीक्षा आयोजित की जा रही है।
इसी महीने 25 जून, 2023, रविवार को होनेवाली यह परीक्षा दो पालियों में संपन्न होगी। प्रथम पाली पूर्वाह्न 11 बजे से 12 बजे तथा द्वितीय पाली दोपहर 12.45 बजे से 2.15 बजे तक होगी। प्रथम पाली के लिए रिपोर्टिंग टाइम 10 बजे जबकि द्वितीय पाली के लिए 12.15 बजे होगा। बीच में 12 से 12.15 तक 15 मिनट का ब्रेक भी होगा।

11वीं में नामांकन को लेकर अभाविप ने डीईओ कार्यालय का किया घेराव

11वीं में नामांकन को लेकर प्रदर्शन करते अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:
अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जमशेदपुर महानगर के नेतृत्व में पूर्वी सिंहभूम के जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय का घेराव किया। अभाविप की ओर से मांग किया गया कि जिले के सभी डिग्री कॉलेजो में एक बार फिर से 11वीं में नामांकन को शुरू किया जाय। अभाविप के जमशेदपुर महानगर के कार्यालय मंत्री प्रियांशु राज ने कहा कि अभाविप अपने स्थापना काल से ही छात्रों के हितों में आंदोलन एवं संघर्ष करती रही है और आगे भी करेगी। इस दौरान परिषद की ओर से डीईओ के माध्यम से झारखंड अकादमीक काउंसिल के सचिव को ज्ञापन सौंपा और जल्द से जल्द नामांकन शुरू करने की मांग की। साथ ही कहा कि अगर 48 घंटे के भीतर हमारी मांगों को पूरा नहीं किया जाता है तो विद्यार्थी परिषद जिला शिक्षा पदाधिकारी के विभाग जमशेदपुर में उग्र आन्दोलन के लिए बाधित होगा। इस मौके पर गौरव साहू, अभिषेक कुमार, कार्तिक झा, यश अग्रहरी, अनूप पांडे, विवेकानंद, दीपक कुमार एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वर्कर्स कॉलेज में सात दिवसीय समर कैम्प के दौरान डॉ. सत्यप्रिय महालिक ने कहा

सभी चमत्कार विज्ञान पर आधारित पाखंड और अंधविश्वास से रहें दूर

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:
वर्कर्स कॉलेज में सात दिवसीय समर कैम्प के दूसरे दिन शनिवार को तीन सत्र आयोजित हुए। समर कैम्प के प्रभारी हिंदी विभाग के प्रो. हरेन्द्र पंडित ने सभी का स्वागत किया तथा कैम्प के दूसरे दिन के सत्रों की जानकारी दी। आज के पहले सत्र में प्राचार्य प्रो. डॉ. सत्यप्रिय महालिक ने 'मैजिक मिरेकल' के अंतर्गत विज्ञान और हाथ की सफाई पर आधारित कुछ प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें सामान्य रूप से जादू समझ लिया जाता है। उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि सभी चमत्कार विज्ञान पर आधारित होते हैं, इसलिए पाखंड और अंधविश्वास से सभी को दूर रहना चाहिए। दूसरे सत्र में वोकेशनल विभाग के प्रो अमित कुमार मेहता ने प्रतिभागियों को

वर्कर्स कॉलेज में समर कैंप के दौरान छात्र-छात्राएं व शिक्षक • फोटोन न्यूज

आसान और नए तरीके से अंग्रेजी सीखने के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। तीसरे सत्र में कॉमर्स विभाग की डॉ. मोनीदीपा दास ने समर कैम्प के प्रतिभागियों को नृत्य का प्रशिक्षण दिया । प्रतिभागियों ने एक एक स्टेप्स की बारीकियों को जाना। ज्ञात हो कि 2 जून से शुरू हुआ समर कैम्प 8 जून तक प्रतिदिन पूर्वाह्न 9 बजे से 12 बजे तक नियमित रूप से चलेगा। इस समर कैम्प में पचास से अधिक विद्यार्थियों ने अपना पंजीयन कराया है। कैम्प की समाप्ति के बाद सभी को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। कैम्प रविवार को भी सुबह 9 बजे से 12 बजे तक आयोजित होगा।

पुलिस को रेलवे ट्रैक से मिला गंभीर रूप से घायल युवक

Jamshedpur: मऊभंडार ओपी क्षेत्र अंतर्गत हाथीजोबड़ा पुल के समीप रेलवे ट्रैक से शनिवार को गंभीर रूप से घायल एक युवक को जीआरपी, आरपीएफ एवं स्थानीय पुलिस घायल अवस्था में उठाकर घाटशिला अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया. अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सक डॉ. आरएन टुडू ने प्राथमिक उपचार के बाद एमजीएम जमशेदपुर रेफर कर दिया. चिकित्सक ने बताया कि युवक के सर पर गंभीर चोट लगा है तथा हाथ और पैर में गहरे जख्म हैं. इसे बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है. गंभीर रूप से घायल युवक शेख मोहम्मद इशाद ने बताया कि वह पश्चिम बंगाल के तमलुक का रहने वाला है. उसे यह पता नहीं कि पटरी पर कैसे गिरा. सर पर गंभीर चोट होने के कारण कभी बता रहा है कि दिल्ली से आ रहा था बंगाल जाना था. पर यह नहीं बता पा रहा है कि वह ट्रैक पर कैसे गिरा. पुलिस अनुमान लगा रही है कि किसी ट्रेन के दरवाजे पर बैठा होगा झपकी आने से गिर गया होगा.

TRAIN हादसे में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए की प्रार्थना

कांग्रेसियों ने दो मिनट का मौन रखकर दी श्रद्धांजलि

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR:
ओड़िशा के बालासोर में हुई ट्रेन दुर्घटना में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए शनिवार को पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस मुख्यालय तिलक पुस्तकालय में शोक सभा का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कंग्रेसियों ने दो मिनट का मौन रखा और मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी. मौके पर उपस्थित मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि यह हादसा बहुत ही दुखद है. इस घटना की समीक्षा होनी चाहिए और दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि हम इतने छोटे सोच के लोग नहीं है कि दुर्घटना के साथ ही रेल मंत्री के इस्तीफे की मांग करें. लोकतंत्र में लोक नैतिकता और नीति से चलता है जबकि तंत्र मजबूती और स्थिरता से चलता है. उन्होंने कहा कि मृतकों की आत्मा की शांति के लिए सभी कांग्रेस

शोक सभा में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

कार्यकताओं ने सामूहिक रुप से ईश्वर से प्रार्थना की है.
इस अवसर पर मुख्य रुप से जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे, प्रदेश सचिव राकेश तिवारी, रियाजुद्दीन खान, ब्रजेन्द्र तिवारी, खगेनचन्द्र महतो, सामंता कुमार, कार्यकारीअध्यक्ष नगर धर्मेन्द्र सोनकर, देव शरण सिंह, प्रभात रंजन श्रीवास्तव, रजनीश सिंह, शाहनवाज अहमद, बुद्धदेव गिरी, अंसार खान, मंजीत आनन्द, अपर्णा गुहा, गुरदीप सिंह, जसवंत सिंह जस्सी, मो सलीम, बलजीत सिंह बख्शी, पप्पू शुक्ल, कुमार गौरव, अजितेश सिंह, रवि पाण्डेय, धीरज कुमार, इन्द्रदेव प्रसाद, रेशमी निगार, सरिता देवी, शबाना परवीन सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे.

श्रेष्ठ राजव्यवस्था और आनंददायी समाज

दुनिया के सभी समाज सुख और आनंद के इच्छुक रहते हैं। सुख और दुख बारी बारी से आते जाते हैं। मनुष्य समाज का अंग है। लेकिन अनेक अवसरों पर मनुष्य और समाज के बीच अंतर्विरोध भी दिखाई पड़ते हैं। मनुष्य प्रकृति का भी अंग है। लेकिन मनुष्य और प्रकृति के बीच अंतर्विरोध भी होते हैं। यह मनुष्य को दुखी करते हैं। समाज शांतिपूर्ण ढंग से रहने के लिए राजव्यवस्था विकसित करते हैं। महाभारत में राजा को काल का कारण बताया गया है। राजव्यवस्था समाज को सुखी बनाने के प्रयत्न करती है। राजा या राजव्यवस्था महत्वपूर्ण है। राजव्यवस्थाएं आनंदमगन समाज के लिए मार्ग प्रशस्त करती हैं। मनुष्य की अनेक मूलभूत आवश्यकताएं होती हैं। अनेक अभिलाषाएं होती हैं। ऋग्वेद (9.113.10 व 11) में प्रार्थना है, 'जहां सारी कामनाएं पूरी होती हैं। जहां सुखदाई तृप्तिदायक अन्न हों। हे देव हमें वहां स्थायित्व दें।' अन्न और कामनाओं की पूर्ति पर्याप्त नहीं है। इसलिए आगे कहते हैं, 'जहां आनंद मोद, मुद और प्रमोद हैं - यत्र आनंदश्च मोदाश्च्स मुद प्रमोद आसते।' इस मंत्र में आनंद मुद मोद और प्रमोद एक साथ आए हैं। इसी के आगे सुंदर राजव्यवस्था की इच्छा है। आदर्श राजव्यवस्था के अभाव में राष्ट्र सुखी नहीं होते। श्रेष्ठ राजव्यवस्था आनंददायी होती है। इसी प्रार्थना में आदर्श राजव्यवस्था का उल्लेख करते हैं, 'जहां विवस्वान (सूर्य) का पुत्र राजा है, जहां आनंद का द्वार है, आप वहां स्थायित्व दें।' यहां एक आदर्श राजव्यवस्था की प्रार्थना की गई है। राजा या राजव्यवस्था समाज को आनंदपूर्वक रहने के अवसर उपलब्ध कराती है। भारतीय परंपरा में राजा शासक नहीं सेवक है। प्रजा पुत्र है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिम्मेदार राजप्रमुख हैं। वे स्वयं को प्रधानसेवक कहते हैं। बीते माह उनके कार्यकाल के नौ साल पूरे हुए हैं। इस अवधि की अनेक उपलब्धियां हैं। नौ साल विकास और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का उल्लेखनीय कालखंड रहा है। इस अवधि में देश ने अनेक आश्चर्यजनक उपलब्धियां पाई हैं। सारी दुनिया को हिला देने वाली कोरोना महामारी ने यहां अनेक चुनौतियां पेश की थीं। तमाम देशों में कोरोना के कारण मौत का तांडव था। मोदी जी ने लॉकडाउन का साहसिक निर्णय लिया। कोरोना से लड़ने में सरकार ने पूरी दुनिया में प्रतिष्ठा पाई। भारत ने दुनिया के अनेक देशों में वैक्सीन भेजी। देश के भीतर कोरोना से लड़ने की प्रशंसा विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी की। तमाम सर्वेक्षणों में मोदी जी शक्तिशाली ग्लोबल लीडर बताए गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद बहुत लम्बे अरसे से भारत पर आक्रामक रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इस आतंकवाद से निर्णायक युद्ध हुआ। मोदी जी के नेतृत्व में आतंकवादियों के ठिकानों पर लक्षित हमला (सर्जिकल स्ट्राइक) हुआ। पूरे देश ने मोदी जी के इस निर्णय की प्रशंसा की। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाने का निर्णय आसान नहीं था। यद्यपि संविधान निमार्ताओं ने अनुच्छेद 370 के शीर्षक में ही लिख दिया था, -जम्मू कश्मीर के विषय में अस्थाई उपबंध।' संविधान निमार्ता अपनी तरफ से इसे अस्थाई लिख चुके थे। लेकिन संविधान निर्माण (1949) से लेकर 2019 तक यह स्थाई अनुच्छेद बना रहा। मोदी जी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 को हटाने का साहसपूर्ण फैसला लिया गया। इस अनुच्छेद के पक्षकार आश्चर्यचकित थे और राष्ट्रवादी शक्तियां प्रसन्न थीं। यह एक अनूठी पहल थी। देश के लोगों में आत्मविश्वास का नया वातावरण देखा गया। मोदी जी ने अनेक लोकप्रिय योजनाओं की शुरूआत की। जनधन योजना गरीबों के लिए सहारा बन कर सामने आई। इस योजना में खाते पर गरीबों को चेकबुक, पासबुक दुर्घटना बीमा के अलावा ओवरड्राफ्ट की भी सुविधा है। यह एक अनूठी योजना है। इसी तरह किसानों की आय बढ़ाने की दृष्टि से केंद्र सरकार पीएम किसान सम्मान निधि योजना लाई। इस योजना में केंद्र सरकार देश के छोटे किसानों को साल में 6000 रुपये की सहायता देती है। इस योजना से छोटे किसानों को पर्याप्त राहत मिली। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना 2020 में शुरू हुई थी। कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन था। इस समय इस योजना को शुरू किया गया। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त भोजन मिला। गरीबों के लिए यह योजना बहुत उपयोगी रही। इसी तरह उज्जवला योजना 2016 में शुरू हुई थी। यह एक असाधारण योजना है। महिलाओं के जीवन में क्रन्तिकारी बदलाव आया। इस योजना के अधीन एक साल में 12 गैस सिलेंडर बांटे जाते हैं। प्रत्येक सिलेंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी का लाभ दिया जा रहा है। सब्सिडी सीधे पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में जाती है। एक साल में सब्सिडी के रूप में 2400 रुपये का लाभ मिलता है। आयुष्मान भारत योजना सारी दुनिया में विशिष्ट है। नागरिकों के स्वास्थ्य का ध्यान रखकर बनाई गई यह योजना गरीबों के लिए सहारा बनी। इस योजना में 5 लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा है। दवाई की लागत व चिकित्सा पर अन्य खर्च सरकार देती है। इस योजना में पात्रों के लिए आयुष्मान कार्ड बनाया जाता है। आयुष्मान कार्ड धारक गरीब सूचीबद्ध अस्पतालों में अपना इलाज मुफ्त कराते हैं। इस योजना की प्रशंसा सारी दुनिया ने की है। मोदी सरकार के नौ वर्ष अनेक योजनाओं से भरे पूरे हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना महत्वपूर्ण है। इस योजना के बीमा धारक की मृत्यु होने की स्थिति में उसके परिवार को 2 लाख तक की आर्थिक सहायता मिलती है। वर्ष भर में सिर्फ 436 रुपये देकर इस योजना का लाभ मिलता है। गरीबों और वंचितों के लिए यह योजना बड़ी उपयोगी है।

सहज-सहज सब कोउ कहै, सहज न चीन्है कोई !

ANALYSIS

गिरीश्वर मिश्र

कबीर को पढ़ते हैं, दोनों में बहुत दूरी है। कबीर को भगवान का रूप दे दिया गया। कबीरपंथी नाना प्रकार से उनकी पूजा करते हैं। यह सब जो दुनिया की खुदाई है, उसका अपना सब लफड़ा है, वह उनको बनाता रहेगा, बिगाड़ता रहेगा। यह पृष्ठभूमि है जो जटिल बनाती है, कबीर तक हमें पहुंचने में कठिनाई पैदा करती है कि कबीर को कहां से देखा जाए? और क्या देखा जाए? कबीर हमारे लिए इसलिए भी प्रासंगिक हैं कि वो पूरे समग्र समाज को देखते हैं। कोई ऐसी जाति नहीं होगी जिसका उल्लेख उन्होंने न किया हो, कोई ऐसा धर्म नहीं होगा जिसका उल्लेख नहीं पाएंगे। जितनी भारत की विविधता है, वह सारी की सारी कबीर में दिखाई देती हैं। कबीर इस्लामी शासन था। बहुत सारे इस तरह के प्रमाण हैं जो यह बताते हैं कि उस समय धर्म परिवर्तन की भी बात होती थी। तमाम तरह के अत्याचारों की भी बात होती है। यह आत्मरक्षा का माध्यम था। जिसे हम हिन्दू धर्म कहते हैं, यह गलत शब्द है। क्योंकि यह हिंदुत्व का दिया हुआ है ही नहीं।

कबीर के माध्यम से हम अपने समय को ठीक से पहचान सकते हैं। कबीर कभी बड़े आसान लगते हैं तो कभी बड़े मुश्किल । हिंदी के पंडितों ने उनकी कई तरह से व्याख्या की है। कबीर को तमाम तरह के खेमों में रखा गया है। वह बड़े पक्के भक्त हैं, शुद्ध वैष्णव हैं, सूफी हैं और प्रेम के कवि तो हैं ही। वे ब्रह्म और ईश्वर की पहचान कराने वाले कवि और भक्त हैं। ज्यादातर लोग उन्हें संत कहकर समझाना चाहते हैं। उन्हें दलित चेतना का विचारक कह कर भी पेश किया गया है। इन सबके बीच असली कबीर कौन हैं यह पहचानना और भी कठिन हो गया है। वे वाचिक परम्परा के कवि और संत हैं। उन्होंने जो कुछ कहा उसका मौखिक आधार अधिक है। कई जगह से उनकी रचनाओं को विद्वानों और भक्तों ने एकत्र किया है। इसलिए उनके पाठ की प्रामाणिकता सिद्ध करना बेहद चुनौतीपूर्ण है। कबीर बहुत जटिल हैं, जटिल इसलिए कि वह हम सब जैसे आदमी भी हैं और उससे ऊपर उठकर वह कवि भी हो जाते हैं और उससे उठकर वह सिद्ध भी हो जाते हैं। कबीर को पहचानना इसलिए भी मुश्किल हो जाता है कि कबीर को लेकर जो किवदंतियां हैं, कहानियां हैं, वे उनको अलग-अलग घरोंदों में रखती है। इस तरह किसी एक तरह के कबीर नहीं हैं। नाना प्रकार के कबीर जगह-जगह फैले हुए जो कबीर पंथी हैं और हम जिस कबीर को पढ़ते हैं, दोनों में बहुत दूरी है। कबीर को भगवान का रूप दे दिया गया। कबीरपंथी नाना प्रकार से उनकी पूजा करते हैं। यह सब जो दुनिया की खुदाई है, उसका अपना सब लफड़ा है, वह उनको बनाता रहेगा, बिगाड़ता रहेगा। यह पृष्ठभूमि है जो जटिल बनाती है, कबीर तक हमें पहुंचने में कठिनाई पैदा करती है कि कबीर को कहां से देखा जाए? और क्या देखा जाए? कबीर हमारे लिए इसलिए भी प्रासंगिक हैं कि वो पूरे समग्र समाज को देखते हैं। कोई ऐसी जाति नहीं होगी जिसका उल्लेख उन्होंने न किया हो, कोई ऐसा धर्म नहीं होगा जिसका उल्लेख नहीं पाएंगे। जितनी भारत की विविधता है, वह सारी की सारी कबीर में दिखाई देती हैं। कबीर इस्लामी शासन था। बहुत सारे इस तरह के प्रमाण हैं जो यह बताते हैं कि उस समय धर्म परिवर्तन की भी बात होती थी। तमाम तरह के अत्याचारों की भी बात होती है। यह आत्मरक्षा का माध्यम था। जिसे हम हिन्दू धर्म कहते हैं, यह गलत शब्द है। क्योंकि यह हिंदुत्व का दिया हुआ है ही नहीं। वह तो किसी और ने नाम दे दिया कि हिन्दू धर्म है। असली नाम तो शाश्वत धर्म हो सकता है क्योंकि उसकी बात हर जगह है। जिन लोगों ने इसका उपयोग किया और हम लोगों ने उसे स्वीकार कर लिया। यह गुलामी की मानसिकता की एक प्रवृत्ति है। अंग्रेजों ने जिन-जिन रूपों में भारत को पहचाना, उन उन रूपों को हमने स्वीकार कर लिया कि वही हम हैं, जैसा वे कह रहे थे । कबीर एक खास तरह के जीवन दृष्टि को प्रतिपादित करते हैं।

बहुत तार्किक तरीका है उनका, विश्लेषण करते हैं, तथ्यों को बताते हैं। यह भी बताते हैं कि रास्ता क्या है? वह अपने समय में स्थित आंकड़ों का विश्लेषण करके निष्कर्ष भी निकाल लेते हैं। यह भी दिखलाते हैं कि कहीं न कहीं तमाम बाह्याडम्बरों को हरा करके एक निखालिस मनुष्यता बचती है। यदि उस मनुष्यता को अपनाया जाए, उसके रास्ते पर चला जाए तो हम आत्मानुभूति कर सकते हैं। वह आत्मानुभूति ऐसी होगी जो भेद-भाव नहीं करेगी। वह सबके निकट होगी। सभी संत कवियों ने, लोक जीवन की भाषा को अपनाया है, यह बहुत बड़ी क्रांति थी। वह खेत में काम करने वाले गृहस्थ की भाषा है, वह पंडित की भाषा नहीं है। मगर पंडित की भाषा संस्कृत में जो कुछ हो रहा था वह सब वे जान रहे थे। उन्होंने सिद्ध किया कि लोक भाषा में भी गहन चिंतन किया जा सकता है। यह बड़ी मार्के की बात है। वे जन कवि हैं न कि आभिजात्य वाले । यह अपनी कविता के लिए कच्चा माल भी वहीं, आम जिंदगी से लेते हैं। चर्चा भी उन्हीं की करते हैं। यह एक पैराडाइम शिफ्ट है, एक प्रारूप नये ढंग का है । इसमें ज्ञान के आभिजात्य और जनता का जो भेद है, इसे दूर किया गया । कबीर की बातें जीवन की बातें है। वह केवल आदर्श की बात नहीं है। कबीर यह भी कहते हैं कि जो विचार नहीं करता है, उसके लिए तो मस्ती ही मस्ती है- सुखिया सब संसार है खावै अरु सोवै, दुखिया दास कबीर है जागै अरु रोवै। विचार करने की कुछ कीमत तो आप को अदा करनी पड़ेगी। अ ा ए ा पहचानिएगा तो आप को पहचाना जायेगा। आप को खेमों में रखा जाएगा। कबीर कई तरह से सीमाओं का अतिक्रमण करते हैं। भाषाओं में, विचार में, तर्क के ढंग में, कहने के ढंग में। उलटबांसियों का अर्थ लगाना आसान नहीं है। घर से बाहर निकल कर वह तमाम लोगों से बात करते थे। बताते थे देखो यह गलत है और फिर स्वयं अपनी साधना में डूबे रहते थे। अपने जीवन को, अपने अनुभवों को आत्म-मंथन करना, आत्म-विचार करना, आत्म-बोध की उनकी यात्रा निरंतर चलती रहती है। वह अकेली भी है और साथ-साथ भी है। वह समाज की ओर अभिमुख भी है और स्वयंचेता भी। उनके विचारों में वे बहुत सारी उक्तियां मिलती हैं जिनसे हम उनको समझ सकते हैं। उदाहरण के लिए उनकी एक बहुत प्रसिद्ध उक्ति है- हद चले सो मानवा, बेहद चले सो साधु। हद बेहद दोऊ चले, ताकर मता अगाथ। इसे आप जिस रूप में भी लें, हद और बेहद स्थापित है, जो परम्परा है, जो परम्परा के परे है, जो सीमित है और जो व्यापक है। दोनों को समझना जरूरी है। कबीर की कविता में निषेध बहुत प्रखर रूप से प्रकट होता है। शायद उनके सामने जिस तरह की समस्यायें थी उन्हें देखते हुए, उनका खंडन करना, उन पर चोट करना जरूरी था। इस मामले में वह बहुत ही कट्टर हैं। कट्टर इस अर्थ में हैं कि वह किसी को छोड़ते नहीं हैं- कांकर पाथर जोड़ि कै, मस्जिद लेई बनाई। ता चढ़ि मुल्ला बांग दे, क्या बहरा हुआ खुदाई। यह कहने की हिम्मत है उनको। वह चाहे हिन्दू धर्म की जाति की परेशानियां हों या इस्लाम की परेशानियां हों, दोनों को कहीं न कहीं चोट पहुंचाते हैं। वह सहज मार्ग वाले हैं : सहज-सहज सब कोउ कहै, सहज न चीन्है कोई। जिन सहजै विषया तजि, सहज कही जे सोई । इस सहज शब्द को, समझना कठिन है। यह सहजता, यह स्वाभाविकता कैसे आई? सहजता को जीवन में कैसे लाया जाए। सहज को खोजना शायद यह उनके जीवन का केंद्रीय तत्व था। सहज को ढूंढना ही उनका एक मार्ग था, जिसको उन्होंने आविष्कार किया। सत्य का अन्वेषण और सहज का मार्ग, यह रास्ता चुना उन्होंने, जो किसी के लिए भी सुगम हो सकता है, सहज हो सकता है। आसानी से जिसका उपयोग किया जा सकता है। कबीर ने कई तरह से चेतावनी दी है कि हम किस तरह से, उस सहज के मार्ग को पा सकते हैं । इस बात को खोजने की कोशिश उन्होंने की है। यह भी उन्होंने बार-बार दिखलाने की कोशिश की है कि भाई, सत्य कई नहीं है। नाम तरह-तरह के ले लो मगर सत्य है वही- ह्यहमारे राम, रहीम, करीमा, केसो, अलह, राम, सति सोई। बिस्मिल मेरि विशम्भर एकै और न दूजा कोई। वह कहते हैं कि क्यों तुम झंझट में पड़े हो, यह सब तो एक ही तत्व को बता रहे हैं। वह हमेशा इस पर भी जोर देते हैं कि अपना परिष्कार करो, सुधरो। जो समय मिला है, जो जीवन मिला है, उसमें हम सुधारें। मैं को हटाइये उसके बाद आप को नया जीवन मिलेगा। सहज का, जीवन में आत्म बोध का, कैसे विस्तार होगा, सत संगति भी चाहि, गुरु की कृपा भी चाहिए, लगन भी चाहिए और अपने आप को पहचानने की एक अदम्य जिज्ञासा भी चाहिए और इसके लिए आतुरता भी ।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

कठमुल्ला इकबाल को महान कहना तो बंद कीजिए

मोहम्मद इकबाल को दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने राजनीति विज्ञान के पाठ्यक्रम से हटा दिया है। इस फैसले का वे सभी स्वागत तो करेंगे ही जिन्होंने इकबाल को करीब से पढ़ा है। आमतौर पर इकबाल को लेकर दो बातें बताकर ही उन्हें अबतक महान बताया जाता रहा है। पहला, यह कि उन्होंने सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तां हमारा... जैसा गीत लिखा। दूसरा, कि उन्होंने ही राम की शान में एक कविता लिखी। पर कभी यह नहीं बताया जाता या आधुनिक भारत के ज्ञानी लोगों को पता नहीं है कि उन्होंने अमृतसर में हुए जलियांवाला बाग नरसंहार पर एक शब्द भी निंदा का नहीं कहा था। हालांकि, वे तब अमृतसर के करीब लाहौर में ही थे। जलियांवाला कांड को याद करके अब भी आम हिंदुस्तानी सहम जाते हैं। उनमें गोरी ब्रिटिश सरकार से बदला लेने की भावना जाग जाती है। जलियांवाला कांड ने भारत के लाखों नौजवानों को ब्रिटिश सरकार के खिलाफ खड़ा कर दिया था। पर इकबाल निर्विकार भाव से सारी चीजों को देखते रहे थे। पाकिस्तान के चोटी के इतिहासकार डॉ. इश्तिहाक अहमद कहते हैं कि मोहम्मद इकबाल ने जलियांवाला कांड पर चुप्पी साध ली थी। उन्होंने गोरी सरकार के खिलाफ जलियांवाला कांड पर न तब और न ही बाद में कभी कुछ लिखा। जरा सोचिए, कि उस जघन्य नरसंहार को लेकर इतने नामवर शायर की कलम की स्याही सूख गई थी या कुछ और था ? वे उन मारे गए मासूमों के चीखने की आवाजों से मर्माहत नहीं हुए थे शायद वे किसी कारण से प्रसन्न ही हुए हों। क्या पता ? दरअसल जलियांवाला नरसंहार की शुरूआत रोलेट एक्ट के साथ शुरू हुई, जो 1919 में ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में उभर रहे राष्ट्रीय आंदोलन को कुचलने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। इस एक्ट को जलियांवाला बाग की घटना से करीब एक माह पूर्व 8 मार्च को गोरी सरकार ने पारित किया था। इस अधिनियम को लेकर पंजाब सहित पूरे भारत में भयंकर विरोध शुरू हुआ। विरोध प्रदर्शन के लिए अमृतसर में, जलियांवाला बाग में प्रदर्शनकारी इकट्ठा थे। वे रोलेट एक्ट के खिलाफ शांति से विरोध कर रहे थे। विरोध प्रदर्शन में पुरुष, महिलाओं के साथ बच्चे भी मौजूद थे। तभी जनरल डायर के नेतृत्व में सैनिकों ने जलियांवाला बाग में प्रवेश किया और एकमात्र निकासी द्वार को दुष्टतापूर्वक बंद करवा दिया ताकि कोई भागने तक न पाये। इसके बाद डायर ने सैनिकों को वहां मौजूद निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चलाने का आदेश दे दिया था। उसके कुछ ही क्षणों के बाद वहां लाशों के ढेर जमा हो गए थे। इकबाल के विपरीत गुरुदेव रविन्द्रनाथ टेगौर ने अपना सर का खिताब ब्रिटिश सरकार को वापस कर दिया था। गुरुदेव रवीन्द्र नाथ ठाकुर ने सर की उपाधि जलियांवाला कांड की घोर निंदा करते हुए लौटाई थी। उन्हें साल 1915 में गोरी सरकार ने 'नाइट हुड' की उपाधि दी थी। इसके विपरीत इकबाल ने जलियांवाला नरसंहार कत्लेआम के कुछ सालों के बाद शायद पुरस्कार स्वरूप 1922 में सर की उपाधि ली। शायद अंग्रेजों ने इकबाल को उनकी चुप्पी का इनाम दिया । इकबाल को महान बताने वाले जरा उनके 29 दिसंबर, 1930 को अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के प्रयागराज में हुए सम्मेलन में दिए अध्यक्षीय भाषण को पढ़ लें। तब उनकी आंखें खुल जाएंगी। इकबाल अपनी लंबी तकरीर में पंजाब, सिंध, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा राज्यों को और स्वायत्तता देने की मांग करते हैं। ये सभी राज्य मुस्लिम बहुल थे। इनमें मुसलमानों की आबादी 70 फीसद से अधिक थी। वे अपने भाषण में कहीं भी इन राज्यों में रहने वाले अल्पसंख्यकों के पक्ष में कोई मांग नहीं रखते। चर्चा तक नहीं करते क वे मुस्लिम बहुल राज्यों में उन्हीं को अतिरिक्त शक्तियां देने की वकालत करते थे। इन सभी सूबों और पूर्वी बंगाल (बाद में बना पूर्वी पाकिस्तान) की ही वकालत इकबाल ने सदा की है क तो इकबाल ने एक तरह से पाकिस्तान का ख्वाब 1930 में ही देखना चालू कर दिया था। हालांकि पाकिस्तान की मांग उनकी मृत्यु के बाद में लाहौर में 23 मार्च, 1940 को मुस्लिम लीग ने पहली दफा की थी। सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा... जैसा तराना लिखने वाले इकबाल 1910 में तराना-ए-मिल्ली नज्म लिखते हैं। इसमें उनके तेवर बदलते हैं। वे बहुलतावादी भारत के विचार को खारिज करते हैं। तराना-ए-मिल्ली की चंद पंक्तियों को पढ़ लीजिए। ह्यचीन-ओ-अरब हमारा हिन्दोस्तां हमारा। मुस्लिम हैं हम वतन है सारा जहां हमारा। यानी सारे जहां से अच्छा... लिखने वाला शायर रास्ते से भटकता है या अपने दिल की बात जुबान पर ले ही आता है। हैरानी इस बात पर होती है कि देश के सेक्युलरवादी सच को स्वीकार ही नहीं करते। वे इकबाल को उनकी एक रचना के आधार पर ही महान बताते रहते हैं। खैर, दिल्ली विश्वविद्यालय के इकबाल को लेकर लिए गए फैसले से मशहूर हिंद पॉकेट बुक्स को शुरू करने वाले मल्होत्रा परिवार को अवश्य संतोष पहुंचा होगा। इस परिवार ने उपर्युक्त फैसले को मीडिया के माध्यम से पढ़ा भी होगा। मल्होत्रा परिवार का इकबाल से गिला जायज है। दशकों और कई पीढ़ियों के बाद भी उनके मन के किसी कोने में यह बात रहती है कि इकबाल ने उनके साथ इंसाफ नहीं किया था। इकबाल उस शख्स के जनाजे में शामिल हुए थे जिसने मल्होत्रा परिवार के पुराण पुरुष राजपाल का कत्ल किया था। हत्यारे का नाम था इल्मउद्दीन। यह बात एक सदी पहले के लाहौर की है। इल्मउद्दीन ने 1923 में प्रताप प्रकाशन के मालिक राजपाल की नृशंस हत्या कर दी थी। वो राजपाल से नाराज इस बात से था क्योंकि उन्होंने रंगीला रसूल नाम से एक किताब प्रकाशित की थी। इसके छपते ही पंजाब में कठमुल्ले भड़क गए थे। उनका कहना था कि लेखक ईशनिंदा का दोषी है।

Social Media Corner

सच के हक में...

बालासोर ट्रेन हादसे से प्रभावित लोगों के परिजन अपने लोगों की जानकारी लेने के लिए इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। आपको इन नंबरों पर संपर्क करने में किसी भी प्रकार की समस्या आ रही हो तो निम्नवत ट्विटर हैंडलों को टैग करके अपनी समस्या साझा कर सकते हैं। साथ ही अगर आप झारखंड से हैं और किसी भी प्रकार का सहयोग चाहते हैं तो हमारे ट्विटर इनबॉक्स में हमें मैसेज करें, हमारी टीम आपकी मदद की पूरी कोशिश करेगी।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

ई मुद्दों पर अभय सिंह से मतभेद होने के बावजूद हम हेमंत सोरेन सरकार से सहमत नहीं हैं कि वे दंगा में शामिल थे। वस्तुत: इसमें दंगा जैसा कुछ था ही नही। रामनवमी में हिन्दुहितों पर आघात हुआ, इफ़्तार की भीड़ ने हनुमान मंदिर पर हमला किया.पुलिस ने हमलावरों को खदेड़ा, फिर दंगा हुआ कहां।

(सरयू राय के ट्विटर अकाउंट से)

दोहों में छुपा जीवन का मर्म

मध्यकालीन युग के महान कवि संत कबीर दास ने अपना सारा जीवन देशाटन करने और साधु-संतों की संगति में व्यतीत कर दिया और अपने उन्हीं अनुभवों को उन्होंने मौखिक रूप से कविताओं अथवा दोहों के रूप में लोगों को सुनाया। इनमें जीवन का मर्म छुपा है। अपनी बात लोगों को बड़ी आसानी से समझाने के लिए उन्होंने उपदेशात्मक शैली में लोक प्रचलित और सरल भाषा का प्रयोग किया। उनकी भाषा में ब्रज, अवधी, पंजाबी, राजस्थानी तथा अरबी फारसी के शब्दों का मेल था। अपनी कृति सबद, साखी, रमैनी में उन्होंने काफी सरल और लोक भाषा का प्रयोग किया है। गुरु के महत्व को सर्वोपरि बताते हुए समाज को उन्होंने ज्ञान का मार्ग दिखाया। संत कबीर सदैव कड़वी और खरी बातें करने वाले ऐसे स्वच्छंद विचारक थे, जिन्होंने समाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांड, अंधविश्वास, अंध श्रद्धा और आडम्बरों की कड़ी आलोचना करते हुए समाज में प्रेम, सद्भावना, एकता और भाईचारे की अलख जगाई। उन्होंने अपने दोहों और वाणी के माध्यम से धर्म के नाम पर आम जनता को दिग्भ्रमित करने वाले काजी, मौलवी, पंडितों, पुरोहितों को आईना दिखाने का भी साहसिक प्रयास किया। संत कबीर की जयंती प्रतिवर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है और इस वर्ष संत कबीर की जयंती 04 जून को है। संत कबीर नित्य प्रति सत्संग किया करते थे और लोग दूरदराज से भी उनके प्रवचन सुनने आया करते थे। उनकी वाणी में ऐसी अद्भुत ताकत थी कि लोग उनका सत्संग सुनने अपने आप ही दूर-दूर से उनकी ओर खिंचे चले आते थे। एक दिन सत्संग खत्म होने के बाद भी एक व्यक्ति वहां बैठा रहा। कबीर ने उस व्यक्ति से इसका कारण पूछा तो उसने उत्तर दिया, महाराज! मुझे आपसे कुछ जानना है। दरअसल मैं एक गृहस्थ हूं और परिवार में सभी लोगों से अक्सर मेरा झगड़ा होता रहता है। मुझे समझ ही नहीं आता कि आखिर मेरे यहां गृह क्लेश क्यों होता है और वह किस प्रकार दूर हो सकता है? संत कबीर कुछ देर चुप रहे, फिर उन्होंने अपनी पत्नी को आवाज लगाते हुए कहा कि जरा लालटेन जलाकर लाओ! दोपहर का समय था और बाहर तेज धूप निकली हुई थी लेकिन उनकी पत्नी बिना कोई सवाल पूछे चुपचाप उनके कहे अनुसार लालटेन जलाकर ले आई। वह आदमी भौंचक्का सा यह दृश्य देखते हुए विचार करने लगा कि आखिर संत ने इतनी दोपहर में भी लालटेन क्यों मंगाई है? कुछ मिनट बाद कबीर ने फिर पत्नी को आवाज लगाई और कहा कि जरा कुछ मीठा दे जाना। पत्नी आई और मीठे के बजाय थोड़ी नमकीन रखकर चली गई। वह व्यक्ति सोचने लगा कि ये संत और इनकी पत्नी शायद पागल हैं, तभी दोपहर के समय लालटेन जलाते हैं और मीठे के बदले यहां नमकीन मिलती है। यही सोचकर उसने चुपचाप वहां से खिसकने के इरादे से कहा कि महाराज! मैं अब चलता हूं। लेकिन कबीर ने उससे पूछा कि आपको अपनी समस्या का समाधान मिला या अभी भी कोई संशय शेष है? उस व्यक्ति को कुछ समझ नहीं आया और वह आश्चर्य से उनकी ओर देखने लगा तो संत कबीर ने उसे समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार मैंने दोपहर की रोशनी में भी लालटेन मंगवाई तो मेरी धर्मपत्नी मुझे ताना मारते हुए कह सकती थी कि मैं सठिया गया हूं, जो इस दोपहरी में भी लालटेन मंगवा रहा हूं लेकिन उसने सोचा कि अवश्य ही मुझे किसी काम के लिए लालटेन की जरूरत होगी। इसी प्रकार मेरे मीठा मंगवाने पर जब वह नमकीन देकर गई तो मैं भी उससे बहस कर सकता था लेकिन मैंने विचार किया कि संभवतः घर में कोई मीठी वस्तु नहीं होने पर ही वह नमकीन देकर गई है।

I WANT TO SAY...

THE PHOTON NEWS

जून का महीना शुरू हो चुका है। इसी महीने 21 तारीख को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। भारत के लिए योग कोई नया विषय नहीं है लेकिन यह दिन भारत के लिए गर्व का दिन जरूर है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में पूरे विश्व में मान्यता दिलाना अपने आप में एक उपलब्धि कही जाएगी। 21 जून को विश्व के सभी देशों में योग का अभ्यास किया जाएगा। इस विधा को बढ़ावा देने के लिए कई आयोजन किए जाएंगे। सही भी है। योग से मिलनेवाले लाभ भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया को उठाना चाहिए। इस लिहाज से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसकी मान्यता दिलाने की जरूरत भी थी जो दिला दी गई है। हालांकि इसके बहुत पहले से अमेरिका सहित विभिन्न देशों ने योग विद्या के महत्व को समझ लिया था। कई देशों में भारत और दूसरे देशों के योग विशेषज्ञ लोगों को प्रशिक्षण दे रहे थे। लोग इससे लाभान्वित भी हो रहे थे। अफसोस की बात यह थी कि ऐसा महसूस किया जा रहा था कि अपने ही देश में इस विधा को उतना प्रचार-प्रसार और स्वीकृति नहीं मिल रही थी जितनी मिलनी चाहिए थी। आखिर भारत ही वह भूमि है जहां आष्टांग योग का जन्म हुआ। ऋषि-मुनियों और आध्यात्मिक लोगों ने इसे पुष्पित पल्लवित किया। कालांतर में इस विधा को भुला दिया गया। खुशी की बात यह है कि आज फिर अपने देश में योग के महत्व को समझा जा रहा है। इसे बढ़ावा दिया जा रहा है। लोग अपना रहे हैं। अभ्यास कर स्वस्थ जीवन जी रहे हैं।

दयानंद मिश्रा, अध्यक्ष क्षेत्रीय जनविकास परिषद।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PRIVATE LIMITED, Kathitand, Near Tender Bagicha, P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001.Editor-Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले फैंस को लगा बड़ा झटका, डेविड वॉर्नर ने किया संन्यास का ऐलान?

बेकेनहैम (ब्रिटेन)। (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने शनिवार को खुलासा किया कि वह जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ अपने घरेलू मैदान सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर अपने टेस्ट करियर का समापन करना चाहते हैं। भारत के खिलाफ अगले सप्ताह होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की तैयारियों में लगे वॉर्नर ने अभ्यास सत्र से पहले बातचीत करते हुए उम्मीद जताई कि पाकिस्तान के खिलाफ सिडनी टेस्ट उनका अंतिम टेस्ट मैच होगा। यह सलामी बल्लेबाज हालांकि हाल में लंबे प्रारूप में रन बनाने के लिए जूझता रहा है और उनकी टेस्ट टीम में जगह पक्की नहीं है। वॉर्नर ने कहा,'' टीम में बने रहने के लिए आपको रन बनाने होंगे। मैं शुरू से कहता रहूं कि (2024) टी20 विश्व कप शायद मेरा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आखिरी मैचहोगा।''

उन्होंने कहा,'' अगर मैं यहां रन बनाता हूं और ऑस्ट्रेलिया में भी खेलना जारी रखता हूं तो मैं निश्चित तौर पर कह सकता हूं कि मैं वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में नहीं खेलूंगा। अगर मैं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और एशेज में रन बनाता हूं तथा पाकिस्तान श्रृंखला के लिए टीम में चुना जाता हूं तो मैं निश्चित तौर पर वहां अपने करियर का अंत करना चाहूंगा।'' ऑस्ट्रेलिया को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है। ऑस्ट्रेलिया इस साल के अंत में पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगा जिसका आखिरी मैच तीन जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा।

महिला जूनियर एशिया कप में भारत ने उज़्बेकिस्तान को 22-0 से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने उज़्बेकिस्तान जीत हासिल की है। इस तरह से भारतीय टीम ने अपने महिला जूनियर एशिया कप 2023 अभियान की जोरदार शुरुआत करते हुए उज्बेकिस्तान को 22-0से हरा दिया है। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अगला पूल गेम 5 जून को मलेशिया के खिलाफ खेलेंगी। भारत ने फ्रंट फुट पर प्रतियोगिता की शुरुआत करते हुए नियमितता के साथ उज्बेकिस्तान पर बढ़त बनाई। उसने शुरूआत से ही उग्र खेलकर की जिस कारण वे शुरुआती बढ़त लेने में सफल रहे क्योंकि वैष्णवी विठ्ठल फाल्के ने पेनल्टी कार्नर को बदला जबकि मुमताज खान ने बाद में मैदानी गोल करके भारतीय टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। अन्नू ने एक गोल करके टीम की तालिका में इजाफा किया और शुरुआती क्वार्टर को भारत ने 3-0 की बढ़त के साथ समाप्त किया।

हालां?कि खेल का दूसरा क्वार्टर भी पहले क्वार्टर से अलग नहीं था क्योंकि भारत ने गेंद को कब्जे में रखकर और लगातार आक्रमण करते हुए खेल पर अपना दबदबा कायम रखा और सुनीलिता टोप्पो, मंजू चोरसिया के रूप में बड़े अंतर से अपनी बढ़त बनाने में मदद मिली।, दीपिका सोरेंग, अनु ने नेट गोल कर भारत को 10-0 की बढ़त के साथ आधे समय के ब्रेक में जाने में मदद की।

इधर भारतीय टीम अधिक गोल करने के लिए उत्सुक थी और उन्होंने चौथे क्वार्टर में दीपिका, मुमताज खान, और नीलम के माध्यम से तीन त्वरित गोल करके टीम को 18-0 से आगे कर दिया। इतना ही नहीं अन्नू ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया, जो मैच का उनका छठा गोल भी था जबकि वैष्णवी विठ्ठल फाल्के ने खेल का अपना दूसरा गोल कर टीम का स्कोर 20-0 कर दिया। एक मिनट बाद दीपिका (57) ने पेनल्टी कार्नर से अपने शॉट को घर पर पहुंचा दिया जिसके बाद मुमताज खान ने गोल किया और मैच भारत के पक्ष में 22-0 से समाप्त हो गया।

ए?शिया कप से पहले शाहीन अफरीदी का कमाल, एक ओवर में मारे 4 छक्के

नई दिल्ली (एजेंसी)। शाहीन अफरीदी ने एशिया कप के पहले ही अपनी बल्लेबाजी से कमाल दिखा दिया है। वे अपनी धारदार गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। 23 साल का पाकिस्तानी खिलाड़ी अब बल्ले से भी कोहराम मचा रहा है। वे अभी इंग्लैंड में टी20 ब्लास्ट में उतर रहे हैं। एक मुकाबले में उन्होंने एक ओवर में 4 छक्के जड़े। उनके ओवरऑल टी20 के रिकॉर्ड को देखें, तो वे अब ससुर शाहिद अफरीदी की राह पर चल पड़े हैं। वे चौके से अधिक छक्के लगा चुके हैं। सितंबर में एशिया कप होना है। उससे पहले उन्होंने सभी विरोधी टीमों को मैसेज भेज दिया है कि वे बल्ले से भी मैच का रुख बदल सकते हैं। शाहीन अफरीदी नॉटिंघमशायर की ओर से खेल रहे हैं। हालांकि उनकी टीम को वूस्टरशायर के खिलाफ 56 रन से बड़ी हार मिली। मैच के 16 वें ओवर में अफरीदी ने ऑफ स्पिनर मिचेल ब्रेसवेल की गेंद पर 4 छक्के जड़े। वे अंत में 11 गेंद पर 29 रन बनाकर आउट हुए। एक चौका और 4 छक्का जड़ा। मैच में वूस्टरशायर ने पहले खेलते हुए 5 विकेट पर 226 रन बनाए थे। जवाब में नॉटिंघमशायर की टीम 18.2 ओवरों में 170 रन बनाकर पवेलियन लौट गई।

शाहीन अफरीदी के ओवरऑल टी20 रिकॉर्ड के अनुसार वे चौके से अधिक छक्के जड़ चुके हैं। उन्होंने अब तक 148 मैच में 364 रन बनाए हैं। 25 चौका और 26 छक्का लगाया है। इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 21 की औसत से 206 विकेट भी लिए हैं। 19 रन देकर 6 विकेट बेस्ट प्रदर्शन है। 4 बार 4 और 5 बार 5 विकेट लिया है। इससे उनकी बेहतरीन गेंदबाजी का अंदाजा लगाया जा सकता है। शाहिद अफरीदी ने भी टी20 में बेहतरीन खेल दिखाया। उन्होंने 250 से अधिक छक्के जड़े तथा 347 विकेट भी लिए।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में जडेजा की जगह पक्की , अश्विन को शायद ही अवसर मिले : विटोरी

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम सात जून से ओवल पर शुरू हो रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल (डब्ल्यूटीसी) में भारतीय गेंदबाजों को लेकर संशय में है। उसके सहायक कोच डेनियल विटोरी का मानना है कि स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा का खेलना तय है पर अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को शायद ही अंतिम ग्यारह में जगह मिले। भारतीय टीम ने हाल ही में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला में अश्विन और जडेजा दोनों को शामिल किया। तब इन दोनो ने ही शानदार गेंदबाजी की थी।

ऑस्ट्रेलिया के अभ्यास सत्र से पहले विटोरी ने कहा कि टीम प्रबंधन ने भारत के संभावित गेंदबाजी आक्रमण को लेकर काफी बात की है। उन्होंने कहा, 'हम इस पर बात कर रहे हैं। मुझे लगता है कि जडेजा खेलेगा क्योंकि वह उपयोगी बल्लेबाज भी है। उन्होंने कहा, 'चौथे गेंदबाज और ऑलराउंश को लेकर शार्दुल ठाकुर या अश्विन में से एक हो सकता है हालांकि दोनों ही अच्छे विकल्प हैं। अश्विन ने इंग्लैंड में सात टेस्ट में 18 विकेट लिए हैं पर ओवल में उन्होंने एक ही मैच खेला है।

विटोरी ने कहा, 'अश्विन शानदार गेंदबाज हैं और अधिकांश टीमों में पहली पसंद होगा लेकिन ओवल के हालात में टीम संयोजन को देखते हुए उसे शायद बाहर रहना पड़ सकता है। विटोरी ने यह भी कहा कि आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद डब्ल्यूटीसी फाइनल में कैमरन ग्रीन की भूमिका अहम होगी।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के प्रस्ताव को नामंजूर किया

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) पूरे एशिया कप की मेजबानी करने में दिलचस्पी दिखाने के कारण श्रीलंका क्रिकेट से नाराज है। पाकिस्तान ने इस देश में वनडे बायलेटरल सीरीज खेलने के प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया है। पीसीबी के सूत्रों के अनुसार श्रीलंका ने एशिया कप के पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी करने की इच्छा जाहिर की है, जिससे इन दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड के रिश्तों में खटास पैदा हो गई है। इसके बाद पीसीबी और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड में तानातानी हो गई है।

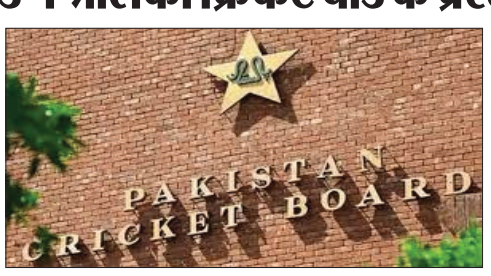

सूत्रों ने कहा, इन दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड के बीच खटास पैदा होने का एक उदाहरण पीसीबी का श्रीलंका में अगले महीने वनडे सीरीज खेलने से इनकार करना है। पाकिस्तान को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले चक्र के तहत इस साल जुलाई में दो टेस्ट मैच खेलने के लिए श्रीलंका का दौरा करना है।

श्रीलंका ने साथ ही वनडे सीरीज खेलने का प्रस्ताव भी पीसीबी के सामने रखा था। लेकिन सूत्रों ने पुष्टि की कि पीसीबी ने शुरू में कहा था कि वह प्रस्ताव पर विचार करेगा लेकिन अब प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया है। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट संकेत है कि पीसीबी सितंबर में एशिया कप की की मेजबानी करने की श्रीलंका क्रिकेट की पेशकश से खुश नहीं है जबकि इस क्षेत्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी करने की बारी पाकिस्तान की है।

विराट कोहली और अनुष्का को मिला एफए कप के फाइनल मुकाबले का न्यौता

नई दिल्ली । भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एवं उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा को लंदन में होने वाले एफए कप के लिए बुलाया गया है। भारत के स्टार कपल्स को देश दुनिया में लोग काफी पसंद करते हैं। इसकारण इंग्लैंड के मशहूर टूर्नामेंट एफए कप के फाइनल मुकाबले के लिए उन्हें भी न्यौता मिला है। एफए कप का फाइनल मुकाबला शनिवार को मैनचेस्टर यूनाइटेड और मैनचेस्टर सिटी के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमें इस मुकाबले के लिए शाम 7.30 बजे इंग्लैंड स्थित वेम्बली स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। फाइनल मुकाबले के लिए विराट और अनुष्का के साथ-साथ देश के कई अन्य खिलाड़ियों को भी आमंत्रित किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा को फाइनल मुकाबले के लिए खास न्यौता मिला है। उन्हें जर्मन स्पोर्ट्सवियर ब्रांड प्यूमा और इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर सिटी ने खास अतिथि के रूप में बुलाया है। कोहली और अनुष्का भारत में प्यूमा के ब्रांड एम्बेसेडर हैं। वहीं प्यूमा का मैनचेस्टर सिटी के साथ भी करार है।

खेल और राजनीति को एक साथ नहीं जोड़ना चाहिए : बीसीसीआई अध्यक्ष

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के मौजूदा अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने पहलवानों के विरोध प्रदर्शन पर खुद को 1983 वर्ल्ड विजेता टीम के सदस्यों से अलग कर लिया है। बिन्नी का कहना है कि खेल और राजनीति को एक साथ नहीं जोड़ना चाहिए। पूर्व क्रिकेटर ने बताया कि पहलवानों के विरोध की मौजूदा स्थिति पर बयान जारी करने का दावा करने वाली मीडिया रिपोर्ट गलत है। उन्होंने कहा कि मामला अधिकारियों के विचाराधीन है और खेल को राजनीति से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। बिन्नी ने कहा, कुछ मीडिया रिपोर्टों के विपरीत, मैं साफ करना चाहूंगा कि मैंने पहलवानों के विरोध की मौजूदा स्थिति के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है। मेरा मानना है कि सक्षम अधिकारी इस मुद्दे को हल करने के लिए काम कर रहे हैं। एक पूर्व क्रिकेटर के रूप में मेरा मानना है कि खेल को राजनीति से नहीं जोड़ना चाहिए। इसके पहले पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने पहलवानों के समर्थन में आवाज उठाई और इस मुद्दे से निपटने के प्रति असंतोष व्यक्त किया था। उनका कहना है कि खेल की उपलब्धियों के माध्यम से देश का सम्मान बढ़ाने वाले पहलवान न्याय के हकदार हैं। बृजभूषण सिंह पर आजाद ने कहा कि, 'जब आधा दर्जन से अधिक लड़कियों ने उन पर आरोप लगाया है, तब उन्हें पॉक्सो अधिनियम के तहत तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए था। 1983 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्यों ने शुक्रवार को पहलवानों से आग्रह किया था कि अपनी मेहनत से कमाई गई पदकों को गंगा नदी में बहाने का फैसला जल्दबाजी में न लें।

फ्रेंच ओपन 2023 : नोवाक जोकोविच ने स्पेनिश खिलाड़ी को मात देकर हासिल की जीत, क्वार्टरफाइनल में जगह की पक्की

पेरिस (एजेंसी)। टेनिस के पूर्व नंबर 1 रहे नोवाक जोकोविच ने अपने फैंस को जबरदस्त तोहफा दिया है। नोवाक जोकोविच ने टेनिस ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन 2023 के मेन्स सिंगल्स के तीसरे राउंड में जीत हासिल की है। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में नोवाक जोकोविच ने अपनी जगह पक्की कर ली है। नोवाक ने स्पेनिश खिलाड़ी डेविडोविच फोकिना को मात देकर क्वार्टरफाइनल मुकाबले में अपना स्थान बनाया है।

टेनिस के ग्रैंड स्पैम टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन 2023 का खुमार इन दिनों दर्शकों और फैंस के बीच देखने को मिल रहा है। इस सीजन में एक बार फिर से सर्बियाई प्लेयर नोवाक जोकोविच ने जीत दर्ज कर अपने फैंस को बेहद खुशी दी है। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में नंबर 3 पर स्थित नोवाक ने पुरुष सिंगल्स के तीसरे राउंड में नोवाक ने जीत दर्ज की है। इसके साथ ही वो अब चौथे दौर में पहुंच गए हैं जहां वो क्वार्टरफाइनल मुकाबला खेल सकेंगे।

जानकारी के मुताबिक ये मुकाबला साढ़े तीन घंटे से भी अधिक समय तक चला। इस मैच के दौरान दर्शकों की तरफ से लगातार नकारात्मक टिप्पणियों की बौछार होती रही मगर नोवाक ने सभी नकारात्मक टिप्पणियों को जवाब जीत से दिया। जोकोविच को तीसरे दौर के मैच में 29 वीं वरीयता प्राप्त अलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को हराने के लिए काफी पसीना बहाना पड़ा। उन्होंने यह मैच 7-6 (4), 7-6 (5), 6-2 से जीता। बाइस बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच के करियर में यह पहला अवसर है जबकि उन्होंने किसी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता में तीन सेट में जीत दर्ज करने के लिए तीन घंटे 36 मिनट का समय लिया। इस बीच दर्शकों के एक वर्ग ने उनकी हाल की राजनीतिक टिप्पणियों के लिए उन पर ताने भी कसे।

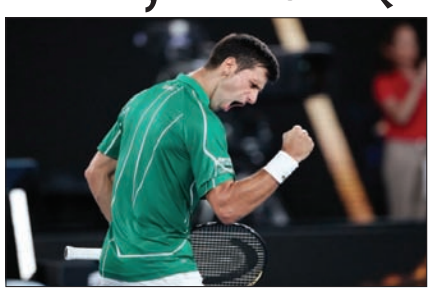

जोकोविच इससे नाखुश दिखे। उन्होंने बाद में कहा,'' अधिकतर दर्शक टेनिस का आनंद लेने या किसी खिलाड़ी का समर्थन करने के लिए आते हैं, लेकिन यह कुछेक दर्शक हैं जो आपके हर काम का मजाक उड़ाना चाहते हैं। यह कुछ ऐसा है जो मुझे अपमानजनक लगता है।'' जोकोविच के अलावा पुरुष वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज,पांचवीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास और आठवीं वरीयता प्राप्तकारेन खाचनोव आगे बढ़ने में सफल रहे। अन्य मैचों में लोरेंजो सोनेगो ने विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी आंद्रे रुबलेव को , जबकि जुआन पाब्लो वरिलास ने नंबर 13 ह्यूबर्ट हर्कज को 3-6, 6-3, 7-6 (3), 4-6, 6-2 से उलटफेर का शिकार बनाया। महिला वर्ग मेंदूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका, डारिया कसात्किना, स्लोएन स्टीफंस, एलिना स्वितोलिना और 2021 की उपविजेता अनास्तासिया पाव्लुचेंकोवा ने चौथे दौर में प्रवेश किया।

महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में कीनिया ने बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

फ्लोरेंस । कीनिया ने महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में नया विश्व रिकार्ड बनाया है। कीनिया की फेथ किपयेगोन ने गोल्डन गाला एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ में यह मुकाम हासिल किया है। जानकारी के अनुसार किपयेगोन ने शुक्रवार को डायमंड लीग की इस प्रतियोगिता में तीन मिनट 49.11 सेकंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। इस तरह से किपयेगोन इस दौड़ में तीन मिनट 50 सेकंड से कम का समय निकालने वाली दुनिया की पहली महिला एथलीट बन गई हैं। दो बार के ओलंपिक चैंपियन और दो बार के विश्व चैंपियन किपयेगोन ने इथियोपिया की गेन्जेबे दिबाबा के 2015 में बनाए गए तीन मिनट 50.07 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा। किपयेगोन का इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीन मिनट 50.37 सेकंड था जो उन्होंने पिछले साल अगस्त में मोनाको में बनाया था।

फ्रेंच ओपन में चौथे दौर में पहुंचे कार्लोस अल्कराज

पेरिस । दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज फ्रेंच ओपन में टॉप स्पीड में हैं। उन्होंने 26वीं वरीयता प्राप्त कनाडा के डेनिस शापोवालोव को हरा कर चौथे दौर में प्रवेश किया। क्ले कोर्ट पर अल्कराज की यह सीजन की 23वीं जीत (सिर्फ दो हार) है। चौथे दौर में उनका सामना इटली के लोरेंजो मुसेटी से होगा। दोनों में अब तक एक ही भिड़त हुई है, जिसमें मुसेटी ने जीत दर्ज की। अलकराज ने पहले सेट में महज 19 मिनट में 4-0 की बढ़त बना ली। शापोवालोव सिर्फ एक गेम जीत सके। अल्कराज ने पहला सेट 37 मिनट में 6-1 से जीता। हालांकि दूसरे सेट में शापोवालोव ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर 4-1 की बढ़त बना ली। लेकिन ये लीड थोड़ी देर के लिए ही थी। अल्कराज ने 16-शॉट रैली से ब्रेक प्वांट अर्जित किया। फिर अल्कराज अपने फॉर्म में आ गए और दूसरा सेट 6-4 से जीत लिया। शापोवालोव ने टॉयलेट ब्रेक लिया, लेकिन अल्कराज ने तीसरे सेट में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली और तीसरा गेम 6-2 से जीत लिया। दो घंटे, 10 मिनट के इस मैच में शापोवालोव ने 39 गलतियां कीं। शापोवालोव ने अपनी सर्विस के साथ भी संघर्ष किया। सिर्फ 56 प्रतिशत पहला सर्व सही रहा और उननमें से केवल 51 प्रतिशत जीते। अल्कराज, हमेशा की तरह, शानदार थे, उन्होंने 25 विनर मारे, 14 ड्रॉप शॉट मारे।

आईपीएल के बाद टेस्ट प्रारूप में खेलना कठिन रहेगा: अक्षर

पोर्ट्समाउथ (एजेंसी)। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने कहा है कि टी20 प्रारूप के बाद टेस्ट प्रारूप में ढलना आसान नहीं रहेगा। अक्षर के अनुसार आईपीएल के दोरान ड्यूक गेंद से अभ्यास की आदत पड़ जाती है। इससे टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में मुश्किलें आयेंगी। इसका कारण है कि भारतीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी पिछले दो माह से आईपीएल खेल रहे थे। वहीं भारत में जहां टेस्ट क्रिकेट में एसजी गेंदों का उपयोग होता है वहीं डब्ल्यूटीसी फाइनल में ड्यूक गेंद से खेलना पड़ता है।

भारतीय टीम हालांकि ड्यूक गेंदों के लिए तैयार है। इसके लिए उसने अभ्यास भी किया है। अक्षर ने कहा, 'हम इसके बारे में आईपीएल शुरू होने से पहले ही जानते थे, इसलिए आईपीएल के दौरान भी चर्चा होती थी कि हम लाल गेंद से गेंदबाजी करेंगे। उन्होंने कहा, 'हमारे पास लाल गेंदें थीं इसलिए हम उनका इस्तेमाल कर रहे थे। आप जानते हैं कि कब और कैसे खेलना है, आपके पास कितना समय है। सफेद गेंद से लाल गेंद की ओर जाना मानसिक रूप से बदलाव करना कठिन है लेकिन हमारे पास पर्याप्त समय है। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने हालांकि कहा कि सबसे अहम यह है कि सही लाइन और लेंथ से गेंदबाजी की जाये।

अक्षर ने कहा, 'हम सफेद गेंद से लाल गेंद में बदलाव कर रहे हैं। यह एसजी से ड्यूक गेंद में बदलाव करने के समान ही है। आपको अपनी प्रतिभा और कौशल का उपयोग करना होगा। आपको अपनी योजना को लागू करना होता है और गेंदबाजी लय हासिल करनी होती है। गेंद चाहे कोई भी हो, अगर आप सही लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी करते हैं तो यह तरीका काम करता है। उन्होंने कहा, 'हम यही कर रहे हैं। मैच इंग्लैंड में है, जहां के हालात भारत से अलग हैं, तो हम योजना बना रहे हैं कि यहां कौन सी लाइन और लेंथ काम करेगी। भारतीय खिलाड़ियों का पहला दल पिछले हफ्ते की शुरुआत में लंदन पहुंचा था जिसमें विराट कोहली और अक्षर जैसे खिलाड़ी शामिल थे। टीम फाइनल की तैयारी में लगी है।

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने भारतीय कुश्ती संघ को जल्द चुनाव करने को कहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों का गुस्सा थम नहीं रहा हैं। वह लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। धरने के कारण भारत को निलंबन का सामना करना पड़ रहा है। कुछ दिन पहले यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने धमकी देकर कहा है कि अगर भारतीय कुश्ती संघ जल्द से जल्द चुनाव नहीं कराता तब डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया जाएगा। भारतीय कुश्ती संघ की चुनाव प्रक्रिया को पूरा करने के लिए खेल मंत्रालय ने आईओए को 45 दिन तक का समय दिया है। जो 10 जून को समाप्त हो रहा हैं। रिपोर्ट के अनुसार ओलंपिक एसोसिएशन ने अभी तक अपनी प्रक्रिया शुरू भी नहीं की है। उन्होंने इसके लिए अब तक अधिकारी भी नियुक्त नहीं किया है। जो इसकी निगरानी कर सके। सूत्र ने बताया कि जब तक यह मामला ठंडा नहीं होता, तब तक निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराना ठीक नहीं होगा। इसी वजह से अभी तक चुनाव के लिए सूचना जारी नहीं की गई है। शनिवार 3 जून के बाद कुश्ती संघ के पास सिर्फ हफ्ते भर का समय बचा है। अगर 10 जून तक चुनाव प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, तब कुश्ती संघ को निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, गुरुवार को ओलंपिक एसोसिएशन ने भारतीय कुश्ती संघ के साथ बैठक की है।

पहलवानों के लिये इंसाफ चाहते हैं लेकिन कानूनी प्रक्रिया के जरिये: खेलमंत्री अनुराग ठाकुर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि हर कोई चाहता है कि भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने पर बैठे पहलवानों को इंसाफ मिले लेकिन यह कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही संभव है। ठाकुर के इस बयान से दो दिन पहले एक महीने से अधिक समय से धरने पर बैठे शीर्ष पहलवानों ने अपने पदक हरिद्वार में गंगा नदी में बहाने की धमकी दी थी। ठाकुर ने टाइम्स नेटवर्क द्वारा आयोजित आर्थिक सम्मेलन में एक प्रश्न उत्तर सत्र में कहा ,'' सरकार भी निष्पक्ष जांच चाहती है। हम सभी चाहते हैं कि न्याय मिले लेकिन इसके लिये कानूनी प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार करना होगा।''

उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस मामले की जांच कर रही है जो भाजपा सांसद बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों पर सरकार द्वारा नियुक्ति समिति की रिपोर्ट के बाद दर्ज किया गया था। यह पूछने पर कि आरोपी भाजपा सांसद होने की वजह से क्या कार्रवाई में विलंब हो रहा है, उन्होंने कहा ,'' पक्षपात का कोई सवाल ही नहीं है। हम सभी जांच जल्दी पूरी होने के पक्ष में हैं।''

ठाकुर ने कहा कि सरकार ने पहलवानों की हर बात मानी और आरोपों की जांच के लिये समिति का भी गठन किया जिसमें उनके कहने पर सदस्य जोड़े गए। इसके अलावा भारतीय ओलंपिक संघ ने डब्ल्यूएफआई के कामकाज के संचालन के लिये प्रशासकों की समिति का गठन किया। उन्होंने कहा ,'' कोई भी खिलाड़ी हो या महिला हो, अगर कोई अत्याचार हुआ है तो उसे जल्दी इंसाफ मिलना चाहिये। पहलवानों का जो मामला है , वह सात साल पुराना है और जनवरी में हमने उनसे पूछा भी था कि कोई एफआईआर दर्ज करनी है तो उन्होंने कहा था कि वे सिर्फ सरकार का दखल चाहते हैं।

25 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

डेब्यू फिल्म में बोल्ड सीन देकर जिया खान ने मचा दिया था तहलका

जिया खान ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में बेहद कम वक्त में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी। जिया का पूरा नाम नफीसा रिजवी खान था। जिया ने अपने छोटे से करियर में बॉलीवुड के कई सुपरस्टार्स के साथ काम किया। जिया खान का जन्म 20 फरवरी 1988 को अमेरिका के न्यूयॉर्क में हुआ था। जिया के पिता अली रिजवी खान भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक थे, जबकि उनकी मां राबिया अमीन भी हिंदी फिल्मों की एक्ट्रेस रही थीं।

जिया खान ने महज 18 साल की उम्र में अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'निशब्द' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। अपनी पहली ही फिल्म में जिया खान बोल्ड सीन्स देकर सुर्खियों में छा गई थीं। इस फिल्म के लिए जिया को बेस्ट डेब्यू फीमेल का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था। वह एक्ट्रेस के साथ-साथ एक ट्रैंड डांसर और सिंगर भी थीं।

जिया खान आमिर खान के साथ फिल्म गजनी और अक्षय कुमार के साथ हाउसफुल में भी नजर आई थीं। जिया खान ने भले ही तीन फिल्में की, लेकिन अपनी अपनी एक्टिंग, संजीदगी और टैलेंट को जाहिर कर दिया।

जिया खान ने महज 25 साल की उम्र में 3 जून 2013 को जुहू स्थित अपने अपार्टमेंट में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। एक्ट्रेस की मां की शिकायत के बाद जिया के बॉयफ्रेंड सूरज पंचोली को गिरफ्तार किया गया था। सूरज पर जिया को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा था। हाल ही में कोर्ट ने सूरज पंचोली को इस केस में रिहा कर दिया है।

1600 रुपये का तौलिया खरीदने पर मां को डांटा सारा ने

अभिनेता विक्की कौशल एवं अभिनेत्री सारा अली खान द कपिल शर्मा शो में अपनी आगामी फिल्म जरा हटके जरा बचके का प्रचार करते नजर आएंगे। सारा के बारे में विक्की कौशल ने खुलासा किया कि, इस फिल्म की शूटिंग के दौरान एक दिन मैंने सारा को अमृता मैम को डांटते देखा गया। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या हुआ, तो मैंने उससे पूछा कि क्या सब ठीक है। तब सारा ने जवाब दिया नहीं यार, मेरी मां ने 1600 रुपए का तौलिया खरीदा है। मैंने सोचा कि यह सच नहीं हो सकता, वह इतनी सी बात पर अपनी मां को डांट नहीं सकती। तो मैंने उससे दोबारा पूछा, फिर से सारा ने दोहराया हां यह वास्तव में सच है। जो 1600 रुपये का तौलिया खरीदा है उसके लिए सारा अमृता मैम को डांट रही थीं। सारा ने कहा, बेशक, क्यों न वैनिटी वैन में मिलने वाले फ्री तौलियों में से एक का इस्तेमाल किया जाए? 1600 रुपए का तौलिया क्यों खरीदा जाए?

'आदिपुरुष' का नया पोस्टर रिलीज, रौद्र रूप में नजर आए राम भक्त हनुमान

साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'आदिपुरुष' अपनी घोषणा के वक्त से ही सुर्खियों में हैं। बीते दिनों 'आदिपुरुष' के कई कैरेक्टर पोस्टर और ट्रेलर रिलीज किया गया था। वहीं हनुमान जयंती के मौक पर 'आदिपुरुष' से हनुमान जी का किरदार निभा रहे देवदत्त नागे का लुक भी सामने आया था। वहीं अब मेकर्स ने हनुमान जी का एक और पोस्टर रिलीज किया है। इस पोस्टर में वीर बजरंग बली रौद्र रूप में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में भगवान हनुमान अपने ने गले में जनेऊ और रुद्राक्ष की माला को धारण कर रखा है, इसके साथ ही उन्होंने एक हाथ से गदा को उठाया हुआ है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, 'हम हैं केसरी, क्या बराबरी।' बजरंग बली का यह विकराल रूप फैंस को काफी पसंद आ रहा है। आदिपुरुष के इस नए पोस्टर को 6 भाषाओं में रिलीज किया गया है। बता दें कि फिल्म आदिपुरुष का निर्देशन ओम राउत कर रहे हैं। इस फिल्म में प्रभास, कृति सेनन, सैफ अली खान, सनी सिंह और देवदत्त नजर आने वाले हैं। 'आदिपुरुष' 16 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

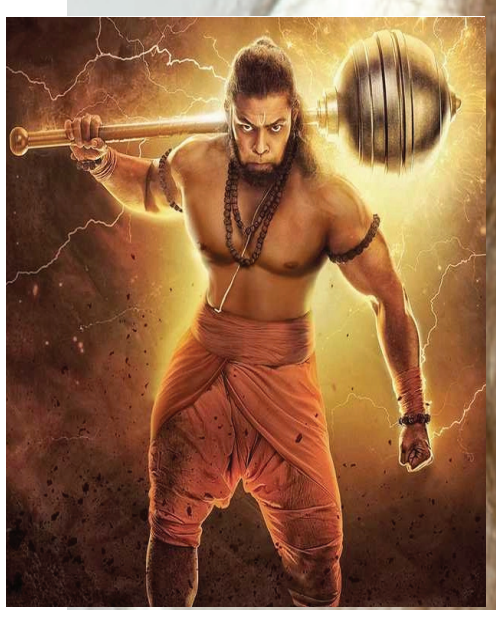

लंबे बाल और दाढ़ी में देखा गया अभिनेता धनुष को

तमिल सुपर स्टार धनुष को एयरपोर्ट पर लंबे बाल और दाढ़ी में देखा गया। इंस्टाग्राम पर हवाईअड्डे पर नए लुक में टहलते हुए धनुष की एक तस्वीर सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने साझा की। धनुष को काले जॉगर्स और धूप के चश्मे के साथ मैरून स्वेटशर्ट में देखा गया। यह साफ नहीं है कि यह उनकी आने वाली फिल्म कैप्टन मिलर का लुक है, जिसमें कथित तौर पर वो दोहरी भूमिका निभा रहे हैं। वह एक पिता और पुत्र के रूप में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अरुण मथेस्वरन ने किया है। अभिनेता जल्द ही निर्देशक मारी सेल्वराज के साथ अपनी आगामी अभी तक बिना शीर्षक वाली तमिल फिल्म के लिए फिर से जुड़ेंगे। अभिनेता ने एक फैन के साथ तस्वीर भी खिंचवाई। हालांकि, उनके नए लुक ने कई फैंस का ध्यान खींचा, कुछ ने अभिनेता की तुलना बाबा रामदेव से की। एक ने लिखा, मुझे तो लगा बाबा रामदेव कपड़े पहन कर गए। एक अन्य ने उन्हें बुलाया- बाबा रामदेव प्रो एक यूजर ने कहा, मुझे लगता है कि बाबा रामदेव पर बायोपिक बनने वाली है।

वेब सीरीज रफूचक्कर का टीजर रिलीज

ताजा वेब सीरीज रफूचक्कर में मनीष पॉल अलग-अलग लोगों के भेष में लोगों से ठगी करते नजर आएंगे। वेब सीरीज का टीजर रिलीज हो गया है। इस सीरीज के साथ मनीष पॉल ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। ये सीरीज कॉन ड्रामा पर बेस्ड है। टीजर में दिखाए गए मनीष के अलग-अलग लुक्स को काफी पसंद किया जा रहा है। सीरीज में मनीष पॉल कभी फिटनेस एक्सपर्ट तो कभी वेडिंग प्लानर के रोल में दिखेंगे। वेब सीरीज की शूटिंग नैनीताल और दिल्ली के कुछ इलाकों में हुई है। सीरीज में ठगी का पता लगाने के लिए डीप फेक, फेस मैपिंग और डिजिटल फूटप्रिंट जैसी ने टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को भी फिल्माया गया है। रीतम श्रीवास्तव सीरीज के डायरेक्टर हैं। सीरीज 15 जून से जिओ सिनेमा पर स्ट्रीम होगी। सीरीज को ज्योति देशपांडे ने प्रोड्यूस किया है।टीजर में दिखाया गया है कि मनीष किस तरह लोगों को अपने जाल में फंसाकर उनसे ठगी करते हैं और फिर रफूचक्कर हो जाते हैं।

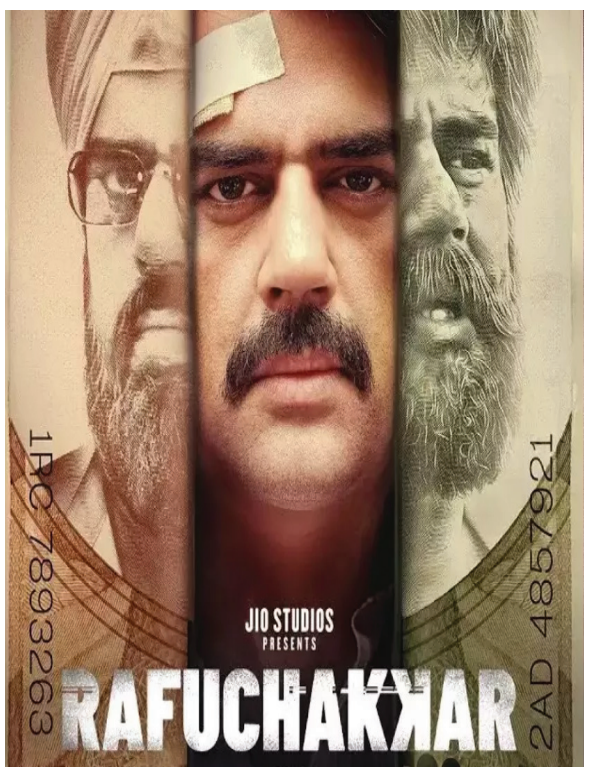

चमकीला में दोसांझ पहली बार बिना पगड़ी के नजर आएंगे

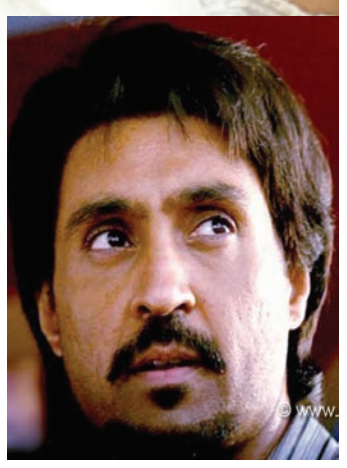

अपकमिंग फिल्म चमकीला में पंजाबी सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ पहली बार बिना पगड़ी के नजर आएंगे। मेकर्स ने टीजर जारी कर दिया है। स्ट्रीमिंग जायंट नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर टीजर साझा किया। टीजर को देख ऐसा लग रहा है कि दिलजीत ने विग पहनी हुई है। उन्होंने फिल्म में पंजाब के हाईएस्ट रिकॉर्ड सेलिंग आर्टिस्ट अमर सिंह चमकिला की भूमिका निभाई है। टीजर वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- जो नाम सालों से आपके दिल और दिमाग पर छाया है वो अब आपके सामने आया है। देखिए पंजाब के हाईएस्ट रिकॉर्ड सेलिंग आर्टिस्ट अमर सिंह चमकिला की अनकही कहानी, जल्द ही सिर्फ नेटफ्लिक्स पर। चमकीला में परिणीति चोपड़ा ने उनकी साथी अमरजोत कौर की भूमिका निभाई है।

'सुई धागा' के बाद पर्दे पर फिर दिखेगी अनुष्का शर्मा-वरुण धवन की जोड़ी!

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन और अनुष्का शर्मा साल 2018 में रिलीज फिल्म 'सुई धागा' में पहली बार साथ नजर आए थे। भले ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन दर्शकों को अनुष्का-वरुण की जोड़ी काफी पसंद आई थी। हीं अब अनुष्का और वरुण के एक बार फिर पर्दे पर साथ नजर आने की खबरें हैं। खबरों के अनुसार वरुण जल्द ही दक्षिण भारतीय निर्देशक एटली के साथ काम करने वाले हैं। उनकी यह फिल्म एक्शन थ्रिलर होगी। कहा जा रहा है कि इस फिल्म के लिए मेकर्स ने अनुष्का शर्मा को अप्रोच किया है। यदि सब कुछ ठीक रहा तो एक बार फिर अनुष्का शर्मा और वरुण धवन की जोड़ी साथ में दिखाई देगी। इस अनटाइल्ड एक्शन थ्रिलर फिल्म को एटली कुमार, मुराद खेतानी मिलकर प्रोड्यूसर करेंगे।

इंटरनेट पर तेजी पर ट्रेंड कर रही सोफिया की फोटो

हाल ही में सोफिया अंसारी की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं जो कि इंटरनेट पर तेजी से ट्रेंड कर रही है। सोफिया अपने बोल्ड अंदाज के लिए जानी जाती हैं। बोल्डनेस के मामले में सोफिया बॉलीवुड, टीवी और भोजपुरी एक्ट्रेसेस को भी टक्कर देती हैं। यही वजह है को लोग उन्हें बोल्डनेस क्वीन कहते हैं। सोफिया की यह फोटोज इंटरनेट की दुनिया में वायरल हो गई हैं। बता दें कि सोशल मीडिया स्टार सोफिया अंसारी की लोकप्रियता दिन ब दिन बढ़ती जा रही हैं।